Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-20 16-31 अक्टूबर, 2023 (पाक्षिक) ₹20

स्वच्छता कार्यक्रम जीवन भर चलनेवाला एक जनांदोलन है

मैं गरीबों को सशक्त बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहा हूं: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली में 25 सितंबर, 2023 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण करने से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कनॉट प्लेस (नई दिल्ली) में 02 अक्टूबर, 2023 को गांधी जयंती के अवसर पर खादी स्टोर पर महात्मा गांधीजी को पुष्पांजलि अर्पित कर खादी के वस्त्रों की खरीदारी करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पटना में 05 अक्टूबर, 2023 को बिहार प्रदेश भाजपा ने श्रद्धेय कैलाशपति मिश्रजी के जन्मशताब्दी समारोह में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत किया

नई दिल्ली में 01 अक्टूबर, 2023 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सम्मिलित होते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

झंझारपुर (बिहार) में 16 सितंबर, 2023 को एक जनसभा में जनाभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 01 अक्टूबर, 2023 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में भाग लेते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **छत्तीसगढ़ आकंठ भ्रष्टाचार और कुशासन से त्रस्त है : नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में परिवर्तन महासंकल्प रैली में उमड़ी भीड़ को देखकर कहा कि यह आह्वान बता रहा है कि छत्तीसगढ़ ने इस बार परिवर्तन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि...

13 **एशियाई खेलों में भारत का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है: नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एशियाई...

14 **प्रधानमंत्री ने गांधी जयंती से पहले 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का किया नेतृत्व**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गांधी जयंती से पहले एक अक्टूबर को 'स्वच्छता ही...

17 **'प्रधानमंत्री मोदीजी ने दीनदयालजी से मिली प्रेरणा को देश में साकार किया'**

पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित दीनदयाल पार्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र...

19 **'मेरी माटी, मेरा देश' राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति जनजागरण का कार्यक्रम है : जगत प्रकाश नड्डा**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 सितंबर, 2023...

लेख

सच्चे किसान विज्ञानी थे एमएस स्वामीनाथन, जुनून के साथ कृषि को मजबूत करने का निभाया संकल्प / **नरेन्द्र मोदी** 24

महिला सशक्तीकरण को चरितार्थ करते मोदी, समावेशी शासन के एक नए युग की होगी शुरुआत / **अमित शाह** 26

नए भारत में नारी शक्ति / **निर्मला सीतारमण** 28

मानसिकता बदलने वाली एक बड़ी पहल / **अर्जुन राम मेघवाल** 30

श्रद्धांजलि

हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन नहीं रहे 23

अन्य

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा 07

'कांग्रेस को राजस्थान में महिलाओं की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं' 09

सरकार का लक्ष्य मध्य प्रदेश को भारत के शीर्ष 3 राज्यों में ले जाना है: नरेन्द्र मोदी 10

भ्रष्टाचारी केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकें: अमित शाह 12

दीनदयालजी की प्रतिमा एकात्म मानवदर्शन की प्रेरणा बनेगी और अंत्योदय के संकल्प को याद दिलाएगी : नरेन्द्र मोदी 16

केंद्र सरकार ने उज्ज्वला लाभार्थियों के लिये एलपीजी सब्सिडी बढ़ाकर 300 रुपये की 20

कैलाशपति मिश्रजी ने सदैव समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया: जगत प्रकाश नड्डा 31

मन की बात 32

मोदी स्टोरी 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

2014 के बाद हमने जन धन, आधार और मोबाइल की ऐसी त्रिशक्ति बनाई कि कांग्रेस का भ्रष्टतंत्र तहस-नहस हो गया। आज गरीबों का एक-एक पैसा गरीबों के हित में ही काम आ रहा है।

(5 अक्टूबर, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

कांग्रेस ने पहले राजनीतिक संस्कृति बना रखी थी वादे करो, भूल जाओ और चुनाव में फिर लुभावने वादे लेकर पहुंच जाओ। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने राजनीतिक संस्कृति बदल दी और रिपोर्टकार्ड की राजनीति शुरू की है।

(4 अक्टूबर, 2023)

अमित शाह

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के कारण आज देशभर में दवाई किफायती दामों में मिल रही हैं, जिससे गत 9 सालों में गरीबों के 30,000 करोड़ रुपये बचे हैं। यही कारण है कि आज यह जनऔषधि केंद्र गरीबों के लिए राहत और आशीर्वाद केंद्र बन गये हैं।

(30 सितंबर, 2023)

राजनाथ सिंह

सुरक्षा मामलों ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ा दिया है। इस क्षेत्र को सुरक्षा चुनौतियों की विभिन्न जटिलताओं का भी सामना करना पड़ता है, जिसमें सीमा विवाद, समुद्री डकैती आदि शामिल हैं। इन सुरक्षा चुनौतियों से व्यापक रूप से निपटने की आवश्यकता को देखते हुए राष्ट्रों, उनकी सेनाओं और सभी संगठनों की पूर्ण भागीदारी की आवश्यकता है।

(26 सितंबर, 2023)

बी.एल. संतोष

विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने का वादा करनेवाले सभी क्षेत्रीय दल पूरी तरह से भ्रष्ट और परिवारवादी हो गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा एकमात्र पार्टी है जो क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा कर रही है- हैदराबाद में श्री जगत प्रकाश नड्डा।

(6 अक्टूबर, 2023)

नितिन गडकरी

भारतीय खेलों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर! एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक जीतकर टीम इंडिया पहले से कहीं अधिक दमदार रही। यह असाधारण उपलब्धि हमारे देश की खेल शक्ति और समर्पण को दर्शाती है। इतिहास में गौरव का एक अध्याय जुड़ गया!

(5 अक्टूबर 2023)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
विजयदशमी (24 अक्टूबर)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

ऊंचे लक्ष्यों की ओर

संपादकीय

चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों में चुनावों की तिथियां घोषित करने के बाद इन चुनावी राज्यों में राजनैतिक गतिविधियां और भी अधिक तेज हो गई हैं। आने वाले नवंबर माह में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना एवं मिजोरम में लोग मतदान कर सरकारें चुनेंगे। जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह इन राज्यों में विशाल रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, वहीं जमीन पर भाजपा के लिए बढ़ता जनसमर्थन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। मोदी सरकार के पिछले नौ वर्षों में आम जन-जीवन में हुए व्यापक परिवर्तन के फलस्वरूप आज भारत विश्व के अग्रिम पंक्ति के देशों में गिना जा रहा हैं, यही कारण है कि जन-जन के हृदय में आज भाजपा का एक विशिष्ट स्थान बन गया है। 'पंच प्रण' के संकल्प के साथ 'विकसित भारत' बनाने का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से अभिमंत्रित है। यदि राज्य सरकारें भी समान दृष्टि, समान दिशा एवं समान संकल्प से कार्य करें तब 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। यह तब ही संभव है जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ऊर्जावान नेतृत्व हो एवं इन सभी प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हों।

> 'पंच प्रण' के संकल्प के साथ 'विकसित भारत' बनाने का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से अभिमंत्रित है

एशियाई खेलों में भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन से पूरे देश का मस्तक गौरव से ऊंचा हुआ है। 28 स्वर्ण, 38 रजत एवं 41 कांस्य पदकों के साथ कुल 107 पदक जीतकर भारत ने पहली बार तीन अंकों को पार कर एशिया के शीर्षस्थ देशों में अपना स्थान बनाया है, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे यह एक बार पुनः स्थापित होता है कि यदि नियत, नीति एवं प्रयास ईमानदार तथा दिशायें सही हों, तो सफलता कदम चूमती ही है। इससे यह भी पता चलता है कि आज का भारतीय युवा नए आत्मविश्वास से ओत-प्रोत है और वह नित नई ऊंचाइयों को छूना चाहता है। वह आज वैसी उड़ान भर रहा है जिसकी कुछ वर्ष पूर्व तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। इससे यह भी प्रमाणित होता है कि यदि भारतीय प्रतिभाओं को उचित अवसर मिले, वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में अपनी अमिट छाप छोड़ सकती हैं। 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम से ठीक ऐसा ही हुआ है। इसने घरेलू स्पर्धा के अवसर सृजित करने के साथ-साथ प्रतिभावान खिलाड़ियों को नए अवसर एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। 'खेलो इंडिया' के प्रदेश स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र, वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं, प्रतिभा खोज एवं विकास, महिलाओं के लिए खेल, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रदेश खेल अकादमियों को सहयोग, दिव्यांगजनों के बीच खेलों को बढ़ावा, ग्रामीण, स्थानीय/जनजातीय खेलों को बढ़ावा एवं स्कूली छात्रों के शारीरिक क्षमता का विकास जैसे आयाम भारतीय खेलों की स्पर्धात्मकता एवं दक्षता को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। भारत की खेल-संस्कृति में व्यापक परिवर्तन के परिणामस्वरूप अब पूरा ध्यान जमीनी स्तर पर उभरते प्रतिभाओं के विकास पर है तथा खेल से भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार एवं अंदरूनी राजनीति को खत्म किया गया है। आज युवा खिलाड़ी वित्तीय सहायता के मोहताज तो नहीं ही हैं, साथ ही उन्हें आवश्यक अवसंरचनात्मक सहयोग, प्रशिक्षण की व्यवस्था एवं अन्य समर्थन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। खेल के हर क्षेत्र में प्रतिभाओं को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनका उत्साह एवं मनोबल बढ़ाया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ही दूरदृष्टि का परिणाम है कि आज हर क्षेत्र में कार्य-संस्कृति में 'व्यापक परिवर्तन' देखा जा सकता है। इससे पूरी व्यवस्था में एक नई ऊर्जा के साथ नवजीवन का प्रवाह स्पष्ट देखा जा सकता है। यह नई ऊर्जा से ओत-प्रोत कार्य-संस्कृति जो श्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान, उनका विकास, उन्हें सहयोग तथा उनका मनोबल बढ़ाती है, का ही परिणाम है कि आज खेल-कूद के क्षेत्र में ऐसे वातावरण का निर्माण हुआ है जिसमें देश को अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

जहां आज देश चीन में संपन्न हुए एशियाई खेलों में अपने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उत्सव मना रहा है, वहीं देश का मनोबल चंद्रयान-3 एवं आदित्य एल-1 की सफलता एवं जी-20 के सफल आयोजन से कई गुणा बढ़ा हुआ है। आज जब भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं करिश्माई नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, देश की जनता 'विकसित भारत' के लक्ष्य एवं नित नए स्वप्नों के साथ बड़े से बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

परिवर्तन महासंकल्प रैली, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ आकंठ भ्रष्टाचार और कुशासन से त्रस्त है : नरेन्द्र मोदी

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों— मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए तिथियों की घोषणा कर दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा सरकार बनाने का आह्वान कर रहे हैं—

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर, 2023 को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में परिवर्तन महासंकल्प रैली में उमड़ी भीड़ को देखकर कहा कि यह आह्वान बता रहा है कि छत्तीसगढ़ ने इस बार परिवर्तन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के अत्याचारों से त्रस्त छत्तीसगढ़ की जनता ने इस बार भाजपा को सरकार में लाने का मन बना लिया है। इसके साथ ही श्री मोदी ने कहा कि आज मैं ये गारंटी देने आया हूं कि आपके हर सपने को साकार करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। छत्तीसगढ़ के हर परिवार का सपना तभी साकार होगा, जब यहां भी भाजपा की सरकार बनेगी।

अपने संबोधन के दौरान श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के निर्माण में अटलजी के योगदान के बारे में कहा, "अटलजी ने छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं को समझते हुए इस प्रदेश का निर्माण किया था। छत्तीसगढ़ का हाईकोर्ट बिलासपुर में है, ये काम भी भाजपा ने ही किया। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे का मुख्यालय भी यहीं है जो राजस्व की दृष्टि से भारत के सबसे बड़े रेलवे जोन में से एक है। इसकी स्थापना भी अटलजी की सरकार के दौरान हुई थी। यानी छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा निरंतर समर्पित रही है।" कांग्रेस सरकार तो केंद्र सरकार के प्रयास को हमेशा विफल करने में जुटी रहती है। पिछले 5 वर्षों में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को हजारों करोड़ रुपये दिए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने क्या किया इसका कोई हिसाब नहीं। यहां हजारों करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट कांग्रेस सरकार के कारण या तो रुके पड़े हैं या फिर देरी से चल रहे हैं। अगर कांग्रेस सरकार का यही रवैया रहा तो प्रदेश की जनता का भला कैसे किया जा सकता है।

पिछले 5 वर्षों में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को हजारों करोड़ रुपये दिए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने क्या किया इसका कोई हिसाब नहीं

गरीबों के साथ कांग्रेस के अन्याय पर प्रधानमंत्री ने कहा, "जितना अन्याय कांग्रेस ने गरीबों के साथ किया उतना कभी किसी और ने नहीं किया। जब देश पर कोरोना का संकट आया, तब गरीब के इस बेटे ने तय किया कि अपने हर गरीब भाई-बहन को संकट की इस घड़ी में मुफ्त राशन दूंगा। इसके लिए गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की। लेकिन छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने इसमें भी घोटाला कर दिया।" उन्होंने कहा कि किसी सरकार की इससे बड़ी असफलता भला क्या हो सकती है? जिसके राज्य में अनेक छोटे-छोटे बच्चों की कुपोषण से मौत हो जाए, लेकिन कांग्रेस की सरकार ने इस खौफनाक सच्चाई को भी छिपाए रखा। कांग्रेस के नेताओं को आपके बच्चों के जीवन से

कोई लेना-देना नहीं है, वो तो अपने बच्चों की जिंदगी बनाने में लगे हैं।

भाजपा की केंद्र सरकार का प्रयास है कि प्रदेश से निकलने वाली खनिज संपदा का एक हिस्सा यहीं के विकास में लगे। इसके लिए बनाए गए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड के तहत छत्तीसगढ़ को करोड़ों रुपए दिए गए, लेकिन कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के इस पैसे पर भी डाका डाल दिया। इतना ही नहीं कांग्रेस ने शराब तो शराब, गोबर को भी नहीं छोड़ा। दोनों के घोटाले से करोड़ों रुपये कमाए।

श्री मोदी ने प्रदेश के युवाओं को कांग्रेस द्वारा दिए गए धोखे के बारे में कहा कि कांग्रेस ने युवाओं को क्या-क्या सपने नहीं दिखाए थे, लेकिन सत्ता में आते ही सारे सपने भुलाकर उन्हें सिर्फ धोखा ही दिया। पीएससी घोटाला तो एक उदाहरण है, कांग्रेस की कुनीति की वजह से प्रदेश में जिनकी नौकरी लगी, उसके साथ भी अन्याय और जिनको बाहर किया गया, उनके साथ भी अन्याय हुआ है। इसके साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश की जनता को आश्वस्त किया कि भाजपा सरकार के बनते ही उनके साथ किए गए अन्याय के जो दोषी हैं, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस ने सिर्फ युवाओं को ही नहीं बल्कि किसानों को भी धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 'पीएम किसान सम्मान निधि' का ऐसा सिस्टम बनाया है कि पैसा सीधे किसानों के खातों में पहुंचता है। छत्तीसगढ़ के हर लाभार्थी किसान के खाते में 28 हजार रुपये तक पहुंचे हैं। अगर कांग्रेस सरकार के दौरान जो व्यवस्था थी वो आज रहती तो वह बीच में ही उसे लूट लेती। ■

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा

चुनाव आयोग ने 9 अक्टूबर को पांच राज्यों मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए तिथियों की घोषणा की। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में और बाकी चार राज्यों में एक चरण में मतदान होगा। सभी के नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे।

मिजोरम की सभी 40 विधानसभा सीटों और छत्तीसगढ़ की 20 विधानसभा सीटों पर 7 नवंबर को मतदान होगा। मध्य प्रदेश की 230 और छत्तीसगढ़ की 70 विधानसभा सीटों पर 17 नवंबर को मतदान होगा। राजस्थान की सभी 200 और तेलंगाना की सभी 119 विधानसभा सीटों पर क्रमशः 25 नवंबर और 30 नवंबर को मतदान होगा।

मिजोरम की सभी सीटों और छत्तीसगढ़ के प्रथम चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी। 20 अक्टूबर तक नामांकन किए जा सकते हैं। इनकी जांच 21 अक्टूबर को होगी। 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकते हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर, नामांकन की जांच 31 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तारीख 2 नवंबर है। राजस्थान में 30 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी जबकि 6 नवंबर तक नामांकन, 7 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच और 9 नवंबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। तेलंगाना के लिए अधिसूचना 3 नवंबर को जारी की जाएगी और नामांकन 10 नवंबर तक जांच 13 नवंबर और नाम वापसी 15 नवंबर तक की जा सकती है।

इन पांच राज्यों में 679 विधानसभा सीटें हैं जो देश की कुल विधानसभा सीटों का 1/6वां हिस्सा है। 16 करोड़ मतदाता हैं। 8.24 करोड़ पुरुष और 7.88 करोड़ महिला मतदाता है। 32 हजार मतदाताओं ने 100 वर्ष की आयु पार कर ली है। 17.35 लाख दिव्यांग मतदाता हैं। मिजोरम और छत्तीसगढ़ में महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा है और तेलंगाना में लगभग बराबर है। इस बार 60 लाख पहली बार मतदान करने वाले मतदाता हैं। युवा मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए 200 मतदान केंद्रों को पूरी तरह से युवा अधिकारी संभालेंगे।

मिजोरम में 17 दिसंबर को विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। यहां की एक सीट सामान्य और 39 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। कुल मतदाता 8.52 लाख है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल 3 जनवरी को पूरा हो रहा है। छत्तीसगढ़ में 90 सीटों में से 10 अनुसूचित जाति और 29 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां 2.03 करोड़ मतदाता है। मध्य प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 6 जनवरी को पूरा हो रहा है। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 35 अनुसूचित जाति और 47 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। कुल मतदाता 5.6 करोड़ हैं। राजस्थान विधानसभा का कार्यकाल 14 जनवरी को समाप्त हो रहा है। 200 विधानसभा सीटों में से 25 अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति और 34 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। कुल मतदाता 5.25 करोड़ है। तेलंगाना विधानसभा का कार्यकाल 16 जनवरी को समाप्त हो रहा है। इसकी 119 विधानसभा सीटों में से 19 अनुसूचित जाति और 12 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। 3.7 करोड़ कुल मतदाता हैं। ■

चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से सभी राज्यों में सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी।

- जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है। गरीब कल्याण, सुशासन और विकास भाजपा शासन की पहचान रही है। मुझे विश्वास है कि इन राज्यों की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को बहुमत का आशीर्वाद देगी।

- अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में लगभग 27,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित कीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में लगभग 27,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया और राष्ट्र को समर्पित किया। परियोजनाओं में रेलवे और सड़क क्षेत्र की कई परियोजनाओं के साथ-साथ बस्तर जिले के नगरनार में 23,800 करोड़ रुपये से अधिक के एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के स्टील प्लांट का समर्पण शामिल है। उन्होंने तारोकी-रायपुर डेमू ट्रेन सेवा को भी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का हर राज्य, हर जिला और हर गांव विकसित होगा। उन्होंने कहा कि इन संकल्पों को पूरा करने के लिए आज लगभग 27,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनता को विकास परियोजनाओं के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए भौतिक, सामाजिक और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए इस वर्ष का परिव्यय 10 लाख करोड़ रुपये है, जो छह गुना अधिक है।

श्री मोदी ने रेल, सड़क, हवाई अड्डे, बिजली परियोजनाओं, परिवहन, गरीबों के लिए घरों और शैक्षणिक और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों की परियोजनाओं में इस्पात के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार ने देश को इस्पात उत्पादन में 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए पिछले 9 वर्षों में अनेक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने आज नगरनार में सबसे आधुनिक इस्पात संयंत्रों में से एक के उद्घाटन के बारे में चर्चा करते हुए कहा, "छत्तीसगढ़ एक बड़े इस्पात उत्पादक राज्य के रूप में लाभ प्राप्त कर रहा है।"

श्री मोदी ने कहा कि इस प्लांट में उत्पादित स्टील देश के ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने कहा कि बस्तर में उत्पादित स्टील रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के साथ-साथ सशस्त्र बलों को मजबूत करेगा। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि स्टील प्लांट बस्तर और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 50,000 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, "नया स्टील प्लांट केंद्र सरकार द्वारा बस्तर जैसे आकांक्षी जिलों के विकास की प्राथमिकता पर नए सिरे से जोर देगा।" ■

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने से शक्ति पूजा की भावना स्थापित हुई'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक अक्टूबर को महबूबनगर, तेलंगाना में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। विकास परियोजनाएं सड़क, रेल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा उच्च शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक ट्रेन सेवा को भी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपस्थित जन-समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने त्योहारों के मौसम के आगमन को रेखांकित किया और कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने से नवरात्रि की शुरुआत से पहले शक्ति पूजा की भावना स्थापित हुई है।

श्री मोदी ने तेलंगाना के हल्दी किसानों के लाभ के लिए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन की घोषणा की। उन्होंने रेखांकित किया कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड, आपूर्ति शृंखला में मूल्यवर्धन पर ध्यान केंद्रित करेगा और किसानों के लिए अवसंरचना सुधार में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन पर तेलंगाना और पूरे देश के हल्दी उगाने वाले किसानों को बधाई दी। ■

तेलंगाना सुपर थर्मल पावर परियोजना के चरण-1 की 800 मेगावाट इकाई का लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन अक्टूबर को निज़ामाबाद, तेलंगाना में बिजली, रेल और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 8000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। परियोजनाओं में एनटीपीसी के तेलंगाना सुपर थर्मल पावर परियोजना के चरण-1 की 800 मेगावाट इकाई का लोकार्पण, मनोहराबाद और सिद्दीपेट को जोड़ने वाली नई रेल लाइन तथा धर्माबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल के बीच विद्युतीकरण परियोजनाएं सहित अन्य रेल परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत राज्य भर में 20 सघन देखभाल भवनों (सीसीबी) की आधारशिला रखी। श्री मोदी ने सिद्दीपेट-सिकंदराबाद-सिद्दीपेट ट्रेन सेवा को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। ■

'कांग्रेस को राजस्थान में महिलाओं की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 05 अक्टूबर, 2023 को राजस्थान के जोधपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत यह कहकर की कि वह दिल्ली से एक विशेष उपहार लेकर आये हैं। उन्होंने कहा, "कल ही भाजपा सरकार ने फैसला किया है कि अब उज्ज्वला लाभार्थी बहनों को केंद्र सरकार से गैस सिलेंडर सिर्फ 600 रुपये में मिलेगा। दशहरा और दिवाली से पहले उज्ज्वला सिलेंडर 100 रुपये और सस्ता कर दिया गया है।"

भाजपा सरकार के इस फैसले से राजस्थान के 70 लाख परिवारों को फायदा होगा। यह निर्णय भाजपा सरकार के रसोई को धुआं मुक्त बनाने के अभियान को भी मजबूती प्रदान करेगा।

केंद्र की स्वास्थ्य क्षेत्र में पहल

केंद्र की स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "भाजपा सरकार ने नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी और 'आयुष्मान भारत योजना' और आधुनिक अस्पतालों के निर्माण के माध्यम से कम आय वाले परिवारों के लिए निःशुल्क इलाज प्रदान किया।" उन्होंने राजस्थान में और अधिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक स्थापित करने की योजना के तहत एम्स, जोधपुर में 350 बिस्तरों वाले ट्रॉमा सेंटर और क्रिटिकल केयर ब्लॉक का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आईआईटी जोधपुर परिसर का उद्घाटन किया और राजस्थान को उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों पर जोर दिया।

भाजपा सरकार ने फैसला किया है कि अब उज्ज्वला लाभार्थी बहनों को केंद्र सरकार से गैस सिलेंडर सिर्फ 600 रुपये में मिलेगा। दशहरा और दिवाली से पहले उज्ज्वला सिलेंडर 100 रुपये और सस्ता कर दिया गया है

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "भाजपा का संकल्प राजस्थान को पर्यटन में नंबर एक राज्य बनाना है। भाजपा की केंद्र सरकार 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' भी चला रही है। हम राजस्थान के हर कोने में विकासात्मक गतिविधियों को लागू करेंगे। इसलिए राजस्थान कह रहा है कि भाजपा आएगी, राजस्थान में खुशहाली लाएगी।"

महिलाओं और दलितों पर अत्याचार

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "कांग्रेस ने पिछले 5 वर्षों में अपने कुशासन के चलते राजस्थान को भ्रष्टाचार और दंगों के मामले में देश में शीर्ष पर पहुंचा दिया है। कांग्रेस ने महिलाओं और दलितों पर अत्याचार के मामले में राजस्थान को नंबर एक बना दिया है। कांग्रेस ने किस तरह नशे के कारोबार को खुली छूट दे रखी है, यह भी हम सबके सामने है। क्या इसीलिए आपने कांग्रेस को वोट दिया? इसलिए

मारवाड़ कह रहा है— भाजपा को लाएंगे, राजस्थान को बचाएंगे।'

कांग्रेस का कुशासन

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राजस्थान में व्याप्त मुद्दों पर प्रकाश डाला और कांग्रेस के कुशासन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "लोग कहते हैं कि लाल डायरी में कांग्रेस के भ्रष्टाचार की हर काली करतूत शामिल है। इस लाल डायरी के काले राज उजागर होने चाहिए या नहीं? क्या कांग्रेस सरकार लाल डायरी के राज सामने आने देगी? चुनाव के समय बेरोजगारी भत्ता देने का वादा करने वाली कांग्रेस ने यहां के युवाओं को पेपर लीक माफिया के हवाले कर दिया है। इसलिए यहां भाजपा की सरकार बनना जरूरी है। भाजपा सरकार ऐसे हर पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

भारत ने चंद्रयान भेजा

एक राष्ट्र के रूप में भारत द्वारा हाल ही में हासिल की गई उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत जिस पैमाने पर काम कर रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। भारत ने अपना चंद्रयान चंद्रमा के उस हिस्से पर उतारा है जहां पहले कोई नहीं पहुंच सका है। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है।"

अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं गरीबों को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहा हूं। आपका सपना मोदी का संकल्प है। हमें राजस्थान का विकास करना है। इसके लिए हमें हर बूथ पर कमल खिलाना होगा। जितना कमल खिलेगा, उतना ही राजस्थान खिलेगा।" ■

सरकार का लक्ष्य मध्य प्रदेश को भारत के शीर्ष 3 राज्यों में ले जाना है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो अक्टूबर को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में लगभग 19,260 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। परियोजनाओं में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, पीएमएवाई के तहत निर्मित 2.2 लाख से अधिक घरों का गृह प्रवेश और पीएमएवाई-शहरी के तहत निर्मित घरों का लोकार्पण, जल जीवन मिशन परियोजनाओं का शिलान्यास,

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत 9 स्वास्थ्य केन्द्रों का शिलान्यास, आईआईटी इंदौर के शैक्षणिक भवन का लोकार्पण और परिसर में छात्रावास और अन्य भवनों तथा इंदौर में एक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखना शामिल हैं।

उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ग्वालियर की भूमि वीरता, स्वाभिमान, गौरव, संगीत, स्वाद और सरसों का प्रतीक है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह भूमि देश के कई क्रांतिकारियों के साथ-साथ सशस्त्र बलों में सेवा करने वाले लोगों की भी जन्मभूमि रही है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि ग्वालियर की भूमि ने सत्तारूढ़ दल की नीतियों और नेतृत्व को स्वरूप प्रदान किया है तथा राजमाता विजया राजे सिंधिया, कुशाभाऊ ठाकरे और अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ग्वालियर की भूमि अपने आप में एक प्रेरणा है।" उन्होंने रेखांकित किया कि इस मिट्टी के सपूतों ने देश की खातिर अपने जीवन का बलिदान दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि दशहरा, दिवाली और धनतेरस से ठीक पहले करीब 2 लाख परिवारों को गृह प्रवेश का अवसर मिल रहा है और परिवहन-संपर्क के कई प्रोजेक्ट पेश किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन में विक्रम उद्योगपुरी और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने मध्य प्रदेश को 'बीमारू राज्य' (पिछड़ा राज्य) से देश के शीर्ष 10 राज्यों में से एक के रूप में बदल दिया है। उन्होंने कहा, "यहां से सरकार का लक्ष्य मध्य प्रदेश को भारत के शीर्ष 3 राज्यों में ले जाना है।" श्री मोदी ने सभी से एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना वोट डालने का आग्रह किया, जो मध्य प्रदेश को शीर्ष 3 राज्यों में पहुंचाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भारत में अपना भविष्य देखती है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ 9 साल में 10वें स्थान से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। श्री मोदी ने उन लोगों की आलोचना की, जो भारत की स्थिति पर विश्वास नहीं करते है और कहा, "यह मोदी की गारंटी है कि सरकार के अगले कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।"

प्रधानमंत्री ने जबलपुर में 'वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान' का भूमि पूजन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच अक्टूबर को मध्य प्रदेश के जबलपुर में 12,600 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क, रेल, गैस पाइपलाइन, आवास और स्वच्छ पेयजल जैसे क्षेत्रों की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने रानी दुर्गावती के 500वें जन्म शताब्दी समारोह के अनुरूप जबलपुर में 'वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान' का भूमि पूजन किया। इन परियोजनाओं में इंदौर में लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत निर्मित 1000 से अधिक घरों का उद्घाटन; मंडला, जबलपुर और डिंडोरी जिलों में कई जल जीवन मिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखना; सिवनी जिले में जल जीवन मिशन परियोजना का लोकार्पण और शिलान्यास; मध्य प्रदेश में सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 4800 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण; 1850 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं का लोकार्पण; विजयपुर-औरैयां-फूलपुर पाइपलाइन परियोजना; जबलपुर में एक नए बॉटलिंग प्लांट का शिलान्यास और मुंबई नागपुर झारसुगुड़ा पाइपलाइन परियोजना के नागपुर जबलपुर सेक्शन (317 किमी) की आधारशिला रखना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रदर्शित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। ■

‘आपणो राजस्थान-सुझाव आपका, संकल्प हमारा’ अभियान का शुभारंभ

गहलोत सरकार का भ्रष्टाचार से समझौता और तुष्टीकरण से नाता : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 04 अक्टूबर, 2023 को जयपुर (राजस्थान) के बिड़ला ऑडिटोरियम से राजस्थान विधानसभा के संदर्भ में भाजपा के संकल्प पत्र हेतु जनता से सुझाव मांगने के राज्यव्यापी अभियान ‘आपणो राजस्थान-सुझाव आपका, संकल्प हमारा’ अभियान का शुभारंभ किया और राज्य के अलग-अलग जगहों के लिए 50 रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन रथों में ‘आकांक्षा पेटी’ भी रखी गई है, जिसमें लोग अपने लिखित सुझाव भी दे सकते हैं। श्री नड्डा

ने प्रदेश की जनता से टेलीफोन पर सुझाव मंगाने के लिए एक टोल फ्री नंबर 8140-200-200 और ऑनलाइन सुझाव प्राप्त करने के लिए एक वेबसाइट http://aapnorajasthan2023.com भी जारी किया। टोल फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल के जरिये और वेबसाइट पर लॉगइन करके जनता अपने सुझाव दे सकती है। ये कार्यक्रम 15 दिन तक चलेगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए जाएंगे। कार्यक्रम में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान के भाजपा प्रभारी श्री अरुण सिंह, भाजपा के राजस्थान प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अलका गुर्जर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सीपी जोशी, राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, विधान सभा में उप नेता श्री सतीश पुनिया और भाजपा के कई सांसद भी उपस्थित रहे।

हमारा काम राजस्थान को विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर करना है, राजस्थान में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करना है और राजस्थान से भ्रष्टाचार को जड़ से ख़त्म करना है

श्री नड्डा ने कहा कि 15 दिन तक हमारे लाखों कार्यकर्ता इन 50 एलईडी रथों के माध्यम से सभी 200 विधान सभाओं के हर गांव, तहसील तक जाएंगे और जनता से सुझाव एकत्रित करेंगे। आप कहेंगे, हम करेंगे। जो जनता का नारा होगा, वो संकल्प हमारा होगा। इस अभियान को लॉन्च करने का हमारा उद्देश्य है कि राजस्थान में कोई भी छूट न जाए जिसका हम अपने से जोड़ न सकें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार ने राजस्थान में भ्रष्टाचार के नए-नए रिकॉर्ड बनाये। सचिवालय में सरकारी दफ्तर से गोल्ड बरामद होता है, नोट बरामद होता है। गहलोत सरकार ऊपर से नीचे तक आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। हमने ‘लाल किताब’ के बारे में सुना था, लेकिन राजस्थान में हमने ‘लाल डायरी’ का खेल भी देखा। इनके मंत्री ने ‘लाल डायरी’ दिखाई नहीं कि उनकी मंत्री पद से छुट्टी हो गई। इधर इनकी छुट्टी हो गई, लेकिन उधर भरतपुर के कांग्रेस विधायक के पति, जिन पर रेप और मर्डर के संगीन आरोप हैं, उनकी छुट्टी नहीं हुई। इसका मतलब स्पष्ट है—गहलोत सरकार का भ्रष्टाचार से समझौता और तुष्टीकरण से नाता।

कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी तो झूठे वादे कर के चले जाते हैं और उनकी बहन कहीं भी महिला उत्पीड़न की घटना हो, तो दौड़कर पहुंच जाती है लेकिन राजस्थान में जब महिलाओं के रेप और उनके मर्डर की घटनाएं होती हैं तो वह इसकी जगह छुट्टियां मनाने रणथम्भोर पहुंच जाती हैं। ये हैं इनके दोहरे मापदंड! राजस्थान की जनता समझदार है, वह अपने अधिकार की रक्षा करना जानती है।

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के आंकड़े रखते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पिछले छह महीने में राजस्थान में लगभग 3,406 रेप केस सामने आये हैं। प्रतापगढ़ में आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर उसके साथ अत्याचार किया गया, अलवर में 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की वारदात हुई। भीलवाड़ा में बच्ची के साथ रेप हुआ, फिर उसे भट्ठी में जलाया गया। ये राजस्थान की संस्कृति कदापि नहीं हो सकती। राजस्थान को बदनाम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की करतूतें कर रही हैं। ऐसे लोगों को सत्ता में रहने का कोई हक़ नहीं है। एनसीआरबी डेटा के अनुसार रेप के मामले में राजस्थान सबसे आगे है। पिछले 54 महीने में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के लगभग 10 लाख मामले आये हैं। ह्यूमन ट्रेफिकिंग में राजस्थान सबसे आगे है।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। रामनवमी के दौरान वह लाउडस्पीकर पर रोक लगाती है, जुलूस पर रोक लगाए जाते हैं लेकिन दूसरे लोगों का तुष्टीकरण किया जाता है। कन्हैया जैसी घटनाएं राजस्थान में हो रही हैं। ऐसी हिम्मत कैसे हो रही है? ये ‘आपणो राजस्थान’ है, इसे आपको, हम सबको मिलकर ठीक करना है। हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं, एनडीए के सिपाही हैं, हमारा काम राजस्थान को विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर करना है, राजस्थान में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करना है और राजस्थान से भ्रष्टाचार को जड़ से ख़त्म करना है। ■

भ्रष्टाचारी केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकें: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 10 अक्टूबर, 2023 को आदिलाबाद (तेलंगाना) में आयोजित विशाल 'जन गर्जना सभा' को संबोधित किया और आगामी विधानसभा चुनाव में तेलंगाना के विकास के लिए राज्य की भ्रष्टाचारी केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ एवं श्री बंदी संजय कुमार, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जी. किशन रेड्डी, पार्टी नेता श्री एटला राजेंद्र, भाजपा सांसद श्री सोयम बाबू राव सहित पार्टी के कई गणमान्य नेता उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि तेलंगाना को डबल इंजन की सरकार चाहिए। डबल इंजन का मतलब है— केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार और तेलंगाना में भी पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार। तेलंगाना का विकास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्रीजी ने यहां तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। एक सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी की भी यहां स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 2014 से ही यहां एक सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी बनाना चाहते थे, लेकिन केसीआर सरकार जगह नहीं दी थी। इसलिए इसके बनने में देरी हुई। अब प्रधानमंत्री जी 950 करोड़ रुपये की लागत से ये यूनिवर्सिटी बना रहे हैं, जो हमारे आदिवासी छात्रों के भविष्य का निर्माण करेगा।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हल्दी का उत्पादन अधिक होता है, इसलिए हल्दी फसल के लिए नेशनल टर्मरिक बोर्ड की स्थापना की जा रही है जो फसल उत्पादन से लेकर निर्यात बढ़ाएगा। केसीआर सालों से कृष्णा वाटर विवाद टिब्यूनल के गठन के लिए कोई कदम नहीं उठाते थे। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं, जिन्होंने कृष्णा वाटर डिस्प्यूट टिब्यूनल के गठन के लिए कैबिनेट में मुहर लगायी।

उन्होंने कहा कि केसीआर की सरकार दस सालों तक तेलंगाना में रही, लेकिन न तो राज्य के गरीबों के लिए, न किसान के लिए और न ही आदिवासियों की भलाई के लिए काम किया। उन्होंने एक ही काम किया— बस इसकी चिंता की कि केटीआर को मुख्यमंत्री कैसे बनाया जाए। उनका लक्ष्य है— अपने बेटे केटीआर को मुख्यमंत्री बनाना और हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को रोजगार, किसानों को फसल के लिए पानी पहुंचाना। हर गरीब को घर देने और घर में शौचालय, गैस कनेक्शन और हर किसान के बैंक एकाउंट में हर साल छह हजार रुपये देने का काम किसी ने किया है, तो वह केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ही किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर गरीब, हर पिछड़े, हर आदिवासी और हर दलित को आगे बढ़ाने का काम किया है, जबकि केसीआर ने सिर्फ अपने परिवार को आगे बढ़ाने का काम किया है। ■

'भारत के लोग इस कठिन समय में इज़राइल के साथ एकजुट होकर खड़े हैं'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इजराइल के प्रधानमंत्री ने की बात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से 10 अक्टूबर को इज़राइल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू ने टेलीफोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने इज़राइल में आतंकवादी हमलों में मारे गए और घायल लोगों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की और कहा कि भारत के लोग इस कठिन समय में इज़राइल के साथ एकजुट होकर खड़े हैं।

उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की दृढ़ता से और स्पष्ट रूप से निंदा करता है। प्रधानमंत्री ने इजराइल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया। दोनों नेता निरन्तर संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए।

श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू को उनके देश की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि मैं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को उनके फोन करने और वहां की मौजूदा स्थिति पर जानकारी देने के लिए धन्यवाद देता हूं। भारत के लोग इस कठिन समय में इजरायल के साथ मजबूती से खड़े हैं।

इससे पहले श्री मोदी ने सात अक्टूबर को इजराइल में आतंकी हमलों की खबर पर गहरा दुःख व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में इज़राइल के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इजरायल में आतंकी हमलों की खबर से गहरा दुःख हुआ है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। भारतीय दूतावास ने इजराइल में भारतीय नागरिकों से 'शांत, सतर्क रहने' का आग्रह करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि वह 'स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है' और इजराइल में अपने नागरिकों की मदद के लिए लगातार काम कर रहा है। गौरतलब है कि इजराइल में करीब 18,000 भारतीय नागरिक काम या पढ़ाई के सिलसिले में रह रहे हैं। ■

एशियाई खेल 2022

प्रधानमंत्री एशियाई खेल में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों से मिले

एशियाई खेलों में भारत का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है: नरेन्द्र मोदी

भारत ने चीन के हांगझोऊ शहर में हालिया संपन्न हुए 19वें एशियाई खेलों के अभियान का प्रारंभ 'इस बार सौ पार' नारे से की थी। भारतीय दल ने लक्ष्य को न सिर्फ सफलतापूर्वक पार किया, बल्कि 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 107 पदक जीते। यह भारतीय दल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और 2018 में हुए जकार्ता एशियाई खेलों में प्राप्त कुल 70 पदकों (तब तक का सर्वाधिक पदक) से एक बड़ी छलांग है। निशानेबाजी से लेकर कैनोइंग तक भारतीय एथलीटों ने कुल 22 प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एशियाई खेल 2022 में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों के दल को संबोधित किया। उन्होंने एथलीटों से भी बातचीत की। भारत ने एशियाई खेल 2022 में 28 स्वर्ण पदक सहित 107 पदक जीते, जिससे यह महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट आयोजन में जीते गए पदकों की कुल संख्या के मामले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

दल को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने प्रत्येक नागरिक की ओर से उनका स्वागत किया और उनकी सफलता के लिए उन्हें बधाई दी। श्री मोदी ने याद करते हुए कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि एशियाई खेलों का शुभारंभ 1951 में इसी स्टेडियम में हुआ था। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एथलीटों द्वारा दिखाए गए साहस और दृढ़ संकल्प ने देश के हर कोने को एक जश्न के माहौल में बदल दिया है। 100 से अधिक पदकों के लक्ष्य को हासिल करने के लिए किए गए परिश्रम को ध्यान में रखते हुए श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरा देश गर्व की भावना का अनुभव कर रहा है।

अब तक की सबसे अधिक पदक तालिका के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने निशानेबाजी, तीरंदाजी, स्क्वैश, रोइंग, महिला मुक्केबाजी में अब तक के सबसे अधिक पदक और महिला और पुरुष क्रिकेट स्पर्धाओं, स्क्वैश मिश्रित युगल में पहले स्वर्ण पदक का जिक्र किया।

श्री मोदी ने इस कैनवास के विस्तार के बारे में चर्चा की, क्योंकि भारत ने लगभग सभी खेलों में पदक जीते, जिनमें देश ने भाग लिया। कम से कम 20 इवेंट ऐसे थे जहां भारत कभी पोडियम फिनिश नहीं कर पाया था। उन्होंने कहा कि आपने न सिर्फ एक खाता खोला, बल्कि एक ऐसी राह खोली जो युवाओं की एक पीढ़ी को प्रेरित करेगी। यह एशियाई खेलों से आगे बढ़ेगा और ओलंपिक की ओर हमारे मार्च को नया आत्मविश्वास देगा।

श्री मोदी ने महिला एथलीटों द्वारा किए गए योगदान पर बहुत गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारत की बेटियों की क्षमताओं को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि जीते गए सभी पदकों में से आधे से अधिक महिला एथलीटों ने हासिल किए और यह महिला क्रिकेट टीम ही थी, जिसने सफलताओं का सिलसिला शुरू किया। श्री मोदी ने कहा कि बॉक्सिंग में सबसे ज्यादा पदक महिलाओं ने जीते हैं।

उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए महिला एथलेटिक्स टीम की भी सराहना करते हुए कहा, "भारत की बेटियां, ट्रैक और फील्ड इवेंट में नंबर वन से कम में मानने को तैयार नहीं हैं।" श्री मोदी ने कहा, "यह नए भारत की भावना और शक्ति है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत अंतिम क्षण तक और विजेताओं का फैसला होने तक हार नहीं मानता। उन्होंने कहा, "नया भारत हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता है।" ■

ऐतिहासिक उपलब्धि: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने इन खेलों में अपने जुनून, कौशल और समर्पण का प्रदर्शन किया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। राष्ट्र को गौरवान्वित करने की उनकी प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि पिछले 9 वर्षों में हमारे खेल क्षेत्र को प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा प्रदान किए गए अटूट समर्थन और मार्गदर्शन का परिणाम है। आज, हम अपने खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में तेजी से प्रगति कर रहे हैं और हमारे एथलीट विश्व मंच पर नाम कमा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने गांधी जयंती से पहले 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का किया नेतृत्व

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गांधी जयंती से पहले एक अक्टूबर को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का नेतृत्व किया। श्री मोदी के 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' के आह्वान से प्रेरित होकर 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' के एक घंटे के दौरान 8.75 करोड़ से अधिक लोगों ने देशभर में लगभग 9.2 लाख कार्यक्रमों में भाग लिया, जिसमें 6.8 करोड़ ग्रामीण और 1.95 करोड़ शहरी प्रतिभागी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने हमेशा की तरह उदाहरण पेश करते हुए फिटनेस से प्रेरित करने वाले अंकित बैयानपुरिया के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और स्वच्छता तथा फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री मोदी ने अपने एक्स पोस्ट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह हमारे दैनिक जीवन में स्वच्छता और फिटनेस के महत्व के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि आज, जैसाकि देश स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, अंकित बैयानपुरिया और मैंने भी वैसा ही किया! स्वच्छता के साथ, हमने फिटनेस और कल्याण के बारे में भी बात की। यह सब स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए!

इस महाभियान में केंद्रीय मंत्रीगण सर्वश्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, धर्मेंद्र प्रधान, आरके सिंह व अन्य मंत्रियों समेत केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों और सशस्त्र बलों के जवानों ने भाग लिया। साथ ही, श्री अक्षय कुमार, श्री सुनील शेट्टी जैसे बॉलीवुड अभिनेताओं और क्रिकेटर श्री विराट कोहली व श्री रोहित शर्मा ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लिया।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण और शहरी के बीच प्रयासों के तालमेल के अलावा, 71 अन्य मंत्रालयों और विभागों ने एसएचएस 2023 में अपने-अपने अनूठे तरीकों से योगदान दिया

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2023 तक 18 दिनों की अभियान अवधि के दौरान देशभर में औसतन प्रतिदिन लगभग 6 करोड़ लोगों ने भाग लिया, जिससे कुल भागीदारी 109 करोड़ से अधिक हो गई। 18 दिनों की अवधि में देशभर से 53 करोड़ लोगों ने 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' दिया, यानी प्रतिदिन औसतन लगभग 3 करोड़ लोगों ने भागीदारी की।

इन प्रयासों के अभूतपूर्व परिणाम सामने आए। इस दौरान लगभग 7,611 समुद्र तटों की सफाई की गई, 6,371 नदी तटों और जलप्रपातों को पुनर्जीवित किया गया, 15,576 से अधिक पुराने अपशिष्ट स्थलों का पुनरोद्धार किया गया, 3,620 पर्यटन और प्रतिष्ठित स्थलों में सुधार किया गया और 1,23,840 से अधिक सार्वजनिक स्थानों को फिर से व्यवस्थित किया गया। इसके अतिरिक्त, 16,000 से अधिक जल निकायों को साफ किया गया, 87,000 से अधिक संस्थागत भवनों का कायाकल्प किया गया और लगभग 66,779 कचरा-प्रभावित स्थलों को साफ किया गया है। ये संख्याएं राष्ट्र में तीव्र परिवर्तन लाने के लिए जन-आंदोलन के अटूट समर्पण और शक्ति को दर्शाती हैं।

इस 'जन आंदोलन' ने राष्ट्र के लिए कई परिणाम हासिल किए, जिसमें भारत के 75 प्रतिशत से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित करना और 4 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों उत्तर प्रदेश, असम, त्रिपुरा और पुडुचेरी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत खुद को 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस घोषित करना शामिल है। ओडीएफ प्लस के दर्जे का मतलब है कि ये गांव अपनी ओडीएफ दर्जे को कायम रख रहे हैं और उनके पास ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था है।

उत्तर प्रदेश राज्य ने शत-प्रतिशत ओडीएफ प्लस कवरेज हासिल किया और सभी 95,767 गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित किया, इनमें से प्रत्येक गांव में ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली थी। यह उपलब्धि असाधारण है, क्योंकि पिछले 9 महीनों में 80,000 से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल किया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने 20 जिलों के 285 ब्लॉकों में अपने सभी 6650 गांवों के लिए ओडीएफ प्लस मॉडल का दर्जा प्राप्त किया, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि यह शौचालयों के निर्माण और इस्तेमाल से आगे बढ़कर व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए दृश्यमान स्वच्छता और जागरूकता सृजन से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ 'संपूर्ण स्वच्छता' या ग्रे वाटर और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा संपूर्ण स्वच्छता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस बार संपूर्ण सरकार का दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट था। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण और शहरी के बीच प्रयासों के तालमेल के अलावा, 71 अन्य मंत्रालयों और विभागों ने एसएचएस 2023 में अपने-अपने अनूठे तरीकों से योगदान दिया। ■

स्वच्छता कार्यक्रम जीवन भर चलनेवाला एक जनांदोलन है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 01 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में सेवा बस्ती, झंडेवालान में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में श्रमदान किया। इस कार्यक्रम में उनके साथ केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, भाजपा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख श्री अनिल बलूनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आरपी सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सेवा बस्ती में झाड़ू लगाए और कूड़-कचरा उठाया। उन्होंने कचरे को एकत्रित करने के बाद उसे उठाकर कूड़ा ले जानेवाली गाड़ी में भी डाला। इस दौरान श्री नड्डा ने दिल्ली नगर निगम के सफाईकर्मियों से बातचीत भी की और उनका आभार जताया कि वे लोग अथक परिश्रम करके दिल्ली को साफ-सुथरा रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

विदित हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है जिसका थीम 'कचरा मुक्त भारत' है। यह स्वच्छता और साफ-सफाई के प्रति समाज और सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का परिचायक है। यह 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 'जनांदोलन' बन चुका है। पिछले 15 दिनों में हर दिन औसतन लगभग 2.3 करोड़ लोगों ने इस अभियान में अपना श्रमदान दिया है। प्रधानमंत्रीजी ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में देश के हर नागरिक से कम से कम एक घंटा श्रमदान करने की अपील की थी। उन्होंने 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' का नारा दिया था।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में श्रमदान देने के पश्चात श्री नड्डा ने लोगों से स्वच्छता के संबंध में संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता का सपना देखा था और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उसे साकार करके दिखाया है। हम लोग इस स्वच्छता अभियान को और अधिक मजबूती से आगे लेकर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से स्वच्छता अभियान का आह्वान किया था। उस आह्वान पर देश के करोड़ों नागरिक स्वचछता अभियान में अपना श्रमदान दे रहे हैं। साथ ही, भाजपा के लाखों कार्यकर्ता देश भर में श्रमदान करके

अपने-अपने क्षेत्रों को स्वच्छ बना रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान को एक जन-आंदोलन बनाते हुए जन-जागरण अभियान चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता होने के नाते मैंने भी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया और इस जन-आंदोलन के साथ जुड़ा। देश की जनता से अपील करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि इस जन आंदोलन को मजबूती प्रदान करने के लिए जहां भी हों, वहां पर स्वच्छता कार्यक्रम करें। साथ ही, यह भी संकल्प लें कि हम लोग गंदगी नहीं फैलाएंगे और अपने आसपास सड़कों, गली-मोहल्लों, शहरों और गांवों को स्वच्छ रखेंगे। स्वच्छता के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण काम है।

श्री नड्डा ने समग्र राष्ट्र की जनता से यह भी आह्वान किया कि सभी लोग अपनी जीवनशैली में स्वच्छता को एक महत्वपूर्ण स्थान दें। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लोगों की जीवनशैली में स्वच्छता के संस्कार हेतु जन-जागरण अभियान चलाने में लगे हैं। यह कार्यक्रम कोई एक दिन का नहीं है, और न ही एक सप्ताह का है। स्वच्छता कार्यक्रम जीवन भर चलनेवाला एक जनांदोलन है। हर व्यक्ति को इस जन-आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। ■

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्रीश्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने समाज की अनेक समस्याओं को जन-आंदोलन बनाया है, जिसमें स्वच्छता सर्वप्रथम है। 'स्वच्छ भारत अभियान' को जनभागीदारी की शक्ति से सींचकर मोदी जी ने गांधी जी के 'स्वच्छता ही सेवा' के मंत्र को चरितार्थ किया है। उनकी प्रेरणा से हर भारतीय स्वच्छता को जीवनचर्या का अभिन्न हिस्सा बना कर देश के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह दिल्ली छावनी में रक्षा लेखा महानियंत्रक के परिसर में स्वच्छता अभियान, क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण अभियान जैसी 'श्रमदान' गतिविधियों में सम्मलित हुए। एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा, "हाल के वर्षों में पूरे देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और यह एक जन-आंदोलन बन गया है।"

दीनदयालजी की प्रतिमा एकात्म मानवदर्शन की प्रेरणा बनेगी और अंत्योदय के संकल्प को याद दिलाएगी : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितंबर, 2023 को पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती के अवसर पर भाजपा केंद्रीय कार्यालय के सामने दीनदयाल उपाध्याय पार्क में उनकी 72 फ़ीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सीख दी। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी, कई सांसद, विधायक एवं बड़ी संख्या में जनता एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री मोदी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी का जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों की अत्यंत करुणा के साथ सेवा करने का उनका संदेश हमारी मार्गदर्शक शक्ति है। यह कितना सुखद और अद्भुत संयोग है कि कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा इस पार्क में लगी है और पार्क के सामने ही भाजपा का कार्यालय है। पंडित दीनदयालजी के रोपे हुए बीज से आज वह वटवृक्ष बन चुकी है। हमें देश में राजनीतिक शुचिता को हमेशा बनाए रखना है। मैं उनके चरणों में नमन करता हूं। मुझे हमेशा एक बात का गर्व होता है कि जिन पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के विचारों को लेकर हम जी रहे हैं, मेरे लिए उनके चरणों में बैठने का सौभाग्य मिलना अपने आप में बहुत ही बड़ी बात है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा हम सबके लिए ऊर्जा का स्रोत बनेगी, राष्ट्र प्रथम के कण की प्रतीक बनेगी, एकात्म मानवदर्शन की प्रेरणा बनेगी और अंत्योदय के संकल्प को याद दिलाएगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के नेतृत्व में संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास हुआ है। दीनदयालजी ने एकात्म मानववाद का जो मंत्र राजनीति को दिया था, ये उसी विचार का विस्तार है। राजनीति में महिलाओं की उचित भागीदारी के बिना समावेशी समाज और डेमोक्रेटिक इंटिग्रिटी की बात नहीं कर सकते। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पास होना लोकतंत्र की जीत के साथ-साथ

प्रधानमंत्री मोदीजी ने दीनदयालजी से मिली प्रेरणा को देश में साकार किया : जगत प्रकाश नड्डा

पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली स्थित दीनदयाल पार्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की उपस्थिति में सामाजिक दार्शनिक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की 72 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी, कई सांसद, विधायक एवं बड़ी संख्या में जनता एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के शुभ अवसर पर उनकी जन्मस्थली धानक्या (जयपुर के समीप) के कार्यक्रम में भी सम्मिलित रहे। विरले ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे कोई ऐसे नेता होते हैं, जिनमें नेतृत्व के सभी गुण मिलें, जो सादगी से जीवन-यापन करने वाले और भारतमाता के लिए सब कुछ दांव पर लगाने वाले हों। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि वे विचारक के साथ-साथ कुशल संगठनकर्ता भी थे और नेतृत्व क्षमता भी रखते थे।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के अनुसार हमारी अर्थ नीतियां ऐसी होनी चाहिए कि समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी उनका लाभ पहुंच सके। पंडित उपाध्यायजी ने ही 'एकात्म मानववाद' का मंत्र भी दिया। इसी कार्य को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़ाने का काम किया और 'अंत्योदय' एवं 'सबका साथ, सबका विकास' के माध्यम से इसको चरितार्थ किया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा नीत सरकार की नीतियां,गांव, गरीब, वंचित, महिला, किसान और युवाओं पर केंद्रित हैं। वंचित दलित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में शामिल करते हुए आगे बढ़ने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी से मिली प्रेरणा को देश में साकार किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम सभी चलते रहेंगे। ■

हमारी वैचारिक जीत भी है।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की बात की थी। यही उनके अंत्योदय का संकल्प था। मैं आप सबसे पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के सात सूत्रों को जीवन में उतारने का आग्रह करता हूं। ये सूत्र हैं— सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मक, संवेदना और संवाद।

श्री मोदी ने कहा कि आज मुझे जयपुर में धानक्या रेलवे स्टेशन जाने का सौभाग्य मिला। मैं सुबह उस पवित्र स्थान (जयपुर जिले के धानक्या गांव जहां पंडित दीनदयाल जी ने अपने बचपन के दिन बिताए थे) पर से आज सीधा यहां आया हूं और ये शाम मुझे दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में उनकी प्रतिमा का लोकार्पण करने का अवसर मिला है। यह अद्भुत और सुखद है। जब भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में सत्ता में थी, तब हमने पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी का धानक्या गांव में स्मारक बनाया था। मैंने आज वहां कुछ समय बिताया था और मैं आप सभी से आग्रह

करता हूं कि आप उस जगह जाने के लिए कुछ समय अवश्य निकालें। काशी के पास ही पंडित दीनदयालजी ने जहां अंतिम सांस ली, वहां भी उनका स्मारक बना है। कभी-कभी लगता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन भी रेल की पटरी से जुड़ा हुआ था और मेरा जीवन भी रेल की पटरी से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी का परिवार समस्याओं से घिरा हुआ था। उनके मामा जी चाह रहे थे कि वो समाज कार्यों को छोड़कर वे घर वापस आ जाएं, कोई नौकरी ज्वाइन कर लें। तब पंडित दीनदयालजी ने अपने मामा को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि एक ओर भावना और मोह खींचते हैं तो दूसरी ओर प्राचीन ऋषियों और हुतात्माओं की आत्मा पुकारती है। उन्होंने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों की जगह राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का मार्ग चुना, अंत्योदय और एकात्म मानववाद की राह को चुना।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने हमेशा समाज के अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति की बात की थी। यही उनके अंत्योदय का संकल्प था। इस संकल्प के साथ चलते हुए हमने 9 वर्षों में गरीबों के उत्थान के लिए कदम उठाए हैं, ताकि उनके समग्र विकास का संकल्प पूरा हो सके। हमारी सरकार भी पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी के दिखाए रास्ते पर काम कर रही है। शत-प्रतिशत अंत्योदय का अर्थ है भेदभाव, पक्षपात और तुष्टीकरण को समाप्त करना और सर्व स्पर्शी एवं सर्व समावेशी विकास करना। कल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी भेदभाव के सभी लाभार्थियों तक पहुंचाने का हमारा सेवा अभियान ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता है।

श्री मोदी ने कहा कि सदियों तक देश मुश्किल हालातों से जूझ रहा था। आजादी के बाद भी नए विचारों को जमीन पर उतारने के लिए रास्ते कठिन थे। उस समय भी पंडित दीनदयालजी ने अपना जीवन समाज कल्याण और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए न्योछावर कर दिया। मेरा मानना है कि अगर उनकी अचानक और रहस्यमय मृत्यु नहीं हुई होती तो भारत का भाग्य दशकों पहले बदलना शुरू हो जाता।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के विचार आज भी प्रभावी हों, उनके जीवित रहते उनके विचारों का कितना गहरा असर पड़ता! आजादी के अमृतकाल में हम उन्हीं के विचारों से देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम भारत को उसका वह स्वर्णिम भविष्य दें, जिसका सपना कभी पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने देखा था।

उन्होंने कहा कि हमारा ये सेवा अभियान, सामाजिक न्याय का बहुत बड़ा माध्यम है। दशकों तक हमारे यहां सार्वजनिक संसाधनों और समाज का उपयोग निजी स्वार्थ के लिए होता रहा, लेकिन आज हमें चाहिए कि व्यक्तिगत संसाधनों का उपयोग भी इस तरह से करें कि उससे देश के विकास के रास्ते खुले। आज भारत 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि आज अपने सामर्थ्य से भारत ने जब अपनी छवि को बदला है तो विदेशों में आम भारतीय को भी सम्मान की नजर से देखा जाता है। दुनिया चंद्रयान-3 की सफलता के बाद विदेशों में भारतीयों को बधाई दे रही है, जी-20 के सफल सम्मेलन का जिक्र किया जा रहा है और इसके लिए भारत ने अपने आपको बदला नहीं है, बल्कि भारत की संस्कृति को ही दुनिया के सामने रखा है। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मेघालय, नागालैंड और पुडुचेरी के नए प्रदेश पार्टी अध्यक्षों की नियुक्ति की

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 सितंबर, 2023 को मेघालय, नागालैंड और पुडुचेरी के नए प्रदेश पार्टी अध्यक्षों की नियुक्ति की। पार्टी नेता श्री रिकमैन मोमिन और श्री बेंजामिन येपथोमी को क्रमशः मेघालय और नागालैंड का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि भाजपा सांसद श्री एस. सेल्वगनबथी को पुडुचेरी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ■

'मेरी माटी, मेरा देश' राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति जनजागरण का कार्यक्रम है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 26 सितंबर, 2023 को पुणे के लाहुजी उस्ताद मेमोरियल पुणे में अमृत कलश संकलन कार्यक्रम में भाग लिया, तत्पश्चात उन्होंने कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग (CoEP), पुणे में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के निमित्त आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने यहां अमृत वाटिका का उद्घाटन भी किया और पौधारोपण भी किया। 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर बावनकुले और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री चंद्रकांत दादा पाटिल भी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने देशवासियों को गणपति पूजन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग (CoEP) में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में भाग लेकर मैं आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आज यहां 22 विश्वविद्यालयों से वाइस चांसलर, फैकल्टी, डीन, प्रोफ़ेसर, छात्र और वालंटियर्स यहां एकत्रित हुए हैं। वे अपने-अपने कैंपस एवं घरों से यहां मिट्टी और पौधा लेकर आये हैं, जिससे यहां अमृतवाटिका बनाई गई है। 'मेरी माटी, मेरा देश' राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति जनजागरण का कार्यक्रम है। हम सौभाग्यशाली हैं कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शरीक हो रहे हैं। हर घर, हर गांव, हर नगर पालिका से मिट्टी आना, हर जिले और हर पंचायत में 75 पेड़ लगाना, शहीदों का सम्मान करना, उनके सम्मान में हर गांव में पट्टिका लगाना, अमृत वाटिका बनाना—ये एक ऐसा कार्यक्रम है जो सीधे देशभक्ति की भावना से लोगों को जोड़ता है। यह कार्यक्रम जिले से राज्य स्तर तक पहुंचेगा और फिर केंद्र में दिल्ली तक पहुंचेगा। हर गांव में पौधारोपण का भी कार्यक्रम हुआ।

'मेरी माटी, मेरा देश' राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति जनजागरण का कार्यक्रम है। हम सौभाग्यशाली हैं कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शरीक हो रहे हैं

उन्होंने कहा कि 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम को पर्यावरण से भी जोड़ा गया है। हर गांव, हर ब्लॉक, हर जिले में 75 पौधे लगाए जा रहे हैं। हर जिले में 75 सरोवर बन रहे हैं। आज हम सबके बीच वीरांगना साधना जी देशभक्ति से ओतप्रोत भाव के साथ उपस्थित हैं। कुछ दिन पहले ही उन पर दुःखों का पहाड़ टूटा था। हम सब ऐसी वीरांगनाओं को नमन करते हैं। हमारा प्रयास है कि किसी भी गांव में कोई भी शहीद न छूटें, उनका उचित सम्मान हो चाहे उन्होंने सेना में रहते हुए देश की सुरक्षा में अपना बलिदान दिया हो या पैरामिलिट्री में रहते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया हो या पुलिस में रहते हुए समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी हो। हर गांव में शहीदों का सम्मान किया जा रहा है, उनके सम्मान में पट्टिका लगाई जा रही है, ताकि

आने वाली पीढ़ियां उनकी वीरता से सीख लेते हुए राष्ट्र निर्माण के यज्ञ से जुड़े। 7500 ब्लॉक्स और 500 नगरपालिकाओं से 8,000 से अधिक अमृत कलश दिल्ली पहुंचेंगे और वहां अमृत वाटिका बनेगी।

उन्होंने कहा कि हम अमृत वर्ष से निकलकर अमृत काल में पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम यह लक्ष्य लेकर निकले हैं कि 2047 में जब देश आजादी की सौवीं वर्षगांठ मना रहा होगा, तब भारत 'विकसित भारत' होगा। आप सब सौभाग्यशाली हैं कि आप 'विकासशील से विकसित' भारत के साक्षी बनेंगे। हमारा हर क्षण, हर पल, हर मिनट देश को विकसित बनाने में लगना चाहिए।

श्री नड्डा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की चर्चा करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले ही संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम व्यापक सहमति से पारित किया है। यह विधेयक 27 सालों से लंबित था। इस विधेयक का पारित होना महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में भारत सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आज से 9 साल पहले भारत अर्थव्यवस्था में 10वें स्थान पर था, आज पांचवें स्थान पर है। कुछ ही समय में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। वैक्सीन वॉर मूवी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी सोच के कारण हमें कोरोना को परास्त करने में कामयाबी मिली। पहले किसी भी बीमारी का टीका देश में आने में वर्षों लग जाते थे, लेकिन कोरोना का विश्वस्तरीय स्वदेशी टीका केवल 9 महीने में ही बनकर तैयार हो गया। इतना ही नहीं, 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर्ड भी किये गए।

श्री नड्डा ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला है। आइये, हम सब मिलकर इसे सफल बनाएं और 'विकसित भारत' के लक्ष्य के प्रति समर्पित भाव से काम करें। ■

केंद्र सरकार ने उज्ज्वला लाभार्थियों के लिये एलपीजी सब्सिडी बढ़ाकर 300 रुपये की

केंद्र सरकार के इस निर्णय से उज्ज्वला लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर 603 रुपये में मिलेगा

भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार ने चार अक्टूबर को उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर पर दी जाने वाली सब्सिडी 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिये सब्सिडी बढ़ाने का निर्णय लिया। यह सब्सिडी साल भर में 12 एलपीजी सिलेंडर के लिये मिलेगी।

अब 14.2 किलो वजन वाले गैस सिलेंडर पर सब्सिडी 200 रुपये से बढ़कर 300 रुपये हो गई है। इस कदम से 9.6 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। इससे पहले अगस्त में खाना पकाने की गैस के दाम 200 रुपये प्रति सिलेंडर कम किये गये थे। इसके बाद एलपीजी सिलेंडर का दाम घटकर 903 रुपये पर आ गया था।

उज्ज्वला लाभार्थी फिलहाल 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिये 703 रुपये देते हैं, जबकि इसका बाजार मूल्य 903 रुपये है। केंद्र सरकार के इस निर्णय के बाद उन्हें सिलेंडर 603 रुपये में मिलेगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन दिये गये हैं। इसके तहत सब्सिडी उस व्यक्ति के खाते में जाती है, जिसके नाम पर गैस कनेक्शन जारी किया गया हो। उल्लेखनीय है कि सरकार ने गरीब परिवार की महिलाओं को बिना किसी जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिये मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण और वंचित गरीब परिवारों को खाना पकाने के लिये स्वच्छ ईंधन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उपलब्ध कराना है।

खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन के जरिये महिलाओं के जीवन में सुगमता

अतीत में, भारत में गरीब समुदाय, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लोग, अपने स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जाने बिना लकड़ी, कोयला और गोबर के उपलों जैसे पारंपरिक ईंधन का उपयोग करते थे। उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता था। निमोनिया, फेफड़ों के कैंसर, इस्केमिक हृदय और क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोगों जैसी बीमारियों के कारण मृत्यु दर का जोखिम बड़े पैमाने पर रिपोर्ट किया गया है।

ऐसे में उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को खाना पकाने हेतु स्वच्छ ईंधन उपलब्ध होने से उनके जीवन में सुगमता, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। ■

सकल जीएसटी राजस्व संग्रह सितंबर, 2023 में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,62,712 करोड़ रुपये हुआ

वित्त वर्ष 2023-24 में चौथी बार जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही के लिए 9,92,508 करोड़ रुपये का सकल जीएसटी संग्रह वर्ष दर वर्ष 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अक्टूबर को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सितंबर, 2023 के महीने में एकत्रित सकल जीएसटी राजस्व 1,62,712 करोड़ रुपये रहा, जिसमें से सीजीएसटी 29,818 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 37,657 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 83,623 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र किए गए 41,145 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,613 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र 881 करोड़ रुपये सहित) है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 33,736 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 27,578 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद सितंबर, 2023 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 63,555 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 65,235 करोड़ रुपये है।

सितंबर, 2023 महीने का राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 10 प्रतिशत अधिक है। महीने के दौरान, घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 14 प्रतिशत अधिक है। यह चौथी बार है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है।

सितंबर, 2023 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही के लिए सकल जीएसटी संग्रह (9,92,508 करोड़ रुपये) वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही (8,93,334 करोड़ रुपये) के सकल जीएसटी संग्रह से 11 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में औसत मासिक सकल संग्रह 1.65 लाख करोड़ रुपये है, जो वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के औसत मासिक सकल संग्रह से 11 प्रतिशत अधिक है, जहां यह 1.49 लाख करोड़ रुपये था। ■

प्रधानमंत्री ने नव नियुक्त अभ्यर्थियों को लगभग 51,000 नियुक्ति पत्र किए वितरित

रोज़गार मेला देश भर में 46 स्थानों पर आयोजित किया गया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले को संबोधित किया और नव नियुक्त अभ्यर्थियों को लगभग 51,000 नियुक्ति पत्र वितरित किये। देश भर से चुने गए ये नवनियुक्त अभ्यर्थी सरकार के डाक विभाग, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय आदि सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से जुड़ेंगे। रोज़गार मेला देश भर में 46 स्थानों पर आयोजित किया गया।

उल्लेखनीय है कि नवनियुक्त व्यक्तियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिल रहा है, जहां 680 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम 'कहीं भी किसी भी उपकरण' लर्निंग प्रारूप के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आज नियुक्ति पत्र ग्रहण करने वाले अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण यहां हैं और उन्हें लाखों अभ्यर्थियों में से चुना गया है।

श्री मोदी ने कहा कि देश ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बन रहा है। उन्होंने आधी आबादी को सशक्त बनाने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख किया। नये भारत की बढ़ती आकांक्षाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस नये भारत के सपने बहुत ऊंचे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित भारत बनने का संकल्प लिया है। उन्होंने रेखांकित किया कि अगले कुछ वर्षों में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, ऐसे में आने वाले समय में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका बहुत ज्यादा बढ़ने वाली है।

शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए श्री मोदी ने ऑनलाइन रेलवे आरक्षण, आधार कार्ड, डिजिलॉकर, ईकेवाईसी, गैस बुकिंग, बिल भुगतान, डीबीटी और डिजीयात्रा द्वारा दस्तावेज़ीकरण की जटिलता समाप्त होने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने नए भर्ती होने वालों से इस दिशा में काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी ने भ्रष्टाचार रोका है, विश्वसनीयता में सुधार किया है, जटिलता में कमी लाई है और सुविधा में वृद्धि की है। ■

'पीएम स्वनिधि योजना' के लाभार्थियों की संख्या 50 लाख के पार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार अक्टूबर को पीएम स्वनिधि योजना के तहत 50 लाख लाभार्थियों के आंकड़े तक पहुंचने की उपलब्धि को सराहा। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि पीएम स्वनिधि ने न केवल रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन आसान बनाया है, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ जीने का अवसर भी दिया है।

श्री मोदी ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि इस बड़ी उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई! मुझे संतोष है कि पीएम स्वनिधि योजना से न सिर्फ देशभर के हमारे रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन आसान हुआ है, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ जीने का अवसर भी मिला है। ■

तेलंगाना राज्य में सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में संशोधन को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार अक्टूबर को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 (2014 की संख्या 6) की तेरहवीं अनुसूची में दिए गए प्रावधान के अनुसार, तेलंगाना राज्य के मुलुगु जिले में सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में आगामी संशोधन करने के लिए एक विधेयक, अर्थात् केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन), विधेयक, 2023 को संसद में पेश करने की मंजूरी दे दी।

इसके लिए 889.07 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान होगा। नया विश्वविद्यालय न केवल राज्य में उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार करेगा और आदिवासी आबादी के लाभ के लिए राज्य में आदिवासी कला, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली में निर्देशात्मक और अनुसंधान संबंधी सुविधाएं प्रदान करके उच्च शिक्षा और उन्नत ज्ञान के उपायों को भी बढ़ावा देगा। यह नया विश्वविद्यालय अतिरिक्त क्षमता भी तैयार करेगा और क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने का प्रयास करेगा। ■

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का किया गठन

भारत सरकार ने चार अक्टूबर को राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित किया। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और वृद्धि पर फोकस करेगा। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड हल्दी से संबंधित मामलों में नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को मजबूत बनाएगा तथा हल्दी क्षेत्र के विकास और वृद्धि में मसाला बोर्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिक समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा।

भारत विश्व में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। वर्ष 2022-23 में 11.61 लाख टन (वैश्विक हल्दी उत्पादन का 75 प्रतिशत से अधिक) के उत्पादन के साथ भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी। भारत में हल्दी की 30 से अधिक किस्में उगाई जाती हैं और यह देश के 20 से अधिक राज्यों में उगाई जाती है। हल्दी के सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु हैं।

हल्दी के विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62 प्रतिशत से अधिक है। 2022-23 के दौरान 380 से अधिक निर्यातकों द्वारा 207.45 मिलियन डालर मूल्य के 1.534 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया था। भारतीय हल्दी के लिए प्रमुख निर्यात बाजार बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और मलेशिया हैं। बोर्ड की केंद्रित गतिविधियों से यह उम्मीद की जाती है कि 2030 तक हल्दी निर्यात 1 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि हमारे किसानों की भलाई और समृद्धि हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना करके, हमारा लक्ष्य हमारे हल्दी किसानों की क्षमता का उपयोग करना और उन्हें वह समर्थन देना है, जिसके वे हकदार हैं। ■

देश के आठ प्रमुख उद्योगों में अगस्त, 2023 के दौरान 12.1 प्रतिशत की भारी वृद्धि

देश के आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) में अगस्त, 2023 के दौरान 12.1 प्रतिशत (अनंतिम) की भारी वृद्धि हुई। सभी आठ प्रमुख उद्योगों (अर्थात् सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, बिजली, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और इस्पात) के उत्पादन में अगस्त, 2023 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि आठ कोर उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं का 40.27 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 29 सितंबर को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कुछ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक निम्न है:

सीमेंट— सीमेंट उत्पादन (भारांकः 5.37 प्रतिशत) अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 18.9 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से अगस्त, 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 12.7 प्रतिशत बढ़ा।

कोयला— कोयला उत्पादन (भारांकः 10.33 प्रतिशत) में अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 17.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल से अगस्त, 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.5 प्रतिशत बढ़ा।

बिजली— बिजली उत्पादन (भारांकः 19.85 प्रतिशत) में अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 14.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल से अगस्त, 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़ गया।

प्राकृतिक गैस— प्राकृतिक गैस के उत्पादन (भारांकः 6.88 प्रतिशत) में अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 10.0 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल से अगस्त, 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.9 प्रतिशत बढ़ गया।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद— पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (भारांकः 28.04 प्रतिशत) में अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल से अगस्त, वर्ष 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले की इसी अवधि की तुलना में 3.7 प्रतिशत बढ़ गया।

इस्पात— इस्पात उत्पादन (भारांकः 17.92 प्रतिशत) अगस्त, 2022 की तुलना में अगस्त, 2023 में 10.9 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से अगस्त, 2023-24 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 14.8 प्रतिशत बढ़ा। ■

हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन नहीं रहे

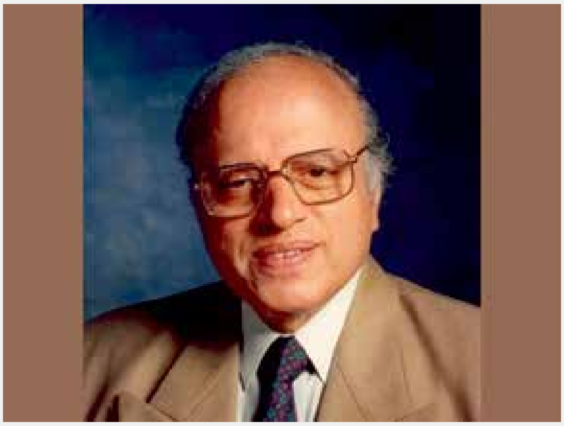

भारत की हरित क्रांति के जनक के रूप में पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन का 98 वर्ष की आयु में 28 सितंबर को चेन्नई में उनके आवास पर निधन हो गया। पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित श्री स्वामीनाथन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक रहे और उन्होंने फिलीपींस में अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान का नेतृत्व किया। वह विश्व खाद्य पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने पुरस्कार से प्राप्त आय का उपयोग प्रसिद्ध एमएसएसआरएफ गैर-लाभकारी ट्रस्ट की स्थापना के लिए किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया, जिनके "कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और हमारे देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की।"

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखाः "डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी के निधन से गहरा दुःख हुआ। हमारे देश के इतिहास के एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय में कृषि क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व काम ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और हमारे देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की।

कृषि में अपने क्रांतिकारी योगदान के अलावा डॉ. स्वामीनाथन नवप्रवर्तन के पावरहाउस और कई लोगों के लिए एक प्रेरक गुरु थे। अनुसंधान और परामर्श के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने अनगिनत वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मैं डॉ. स्वामीनाथन के साथ अपनी बातचीत को हमेशा याद रखूंगा। भारत को प्रगति करते देखने के लिए उनका जुनून अनुकरणीय था।

उनका जीवन और कार्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा, "भारत की हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन के निधन से गहरा दुःख हुआ है। डॉ. स्वामीनाथन एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे जिनके कृषि अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अमूल्य योगदान ने इतिहास की दिशा बदल दी।

उन्होंने भारत की कृषि क्षमताओं को आगे बढ़ाने और लाखों लोगों को भूख के चंगुल से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे नागरिकों के जीवन में बदलाव आया। भारत की वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार को आगे बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता हमारे वैज्ञानिक समुदाय को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।" ■

कमल पुष्प — सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

बड्डेवोलु नारायण रेड्डी

बड्डेवोलु नारायण रेड्डी

जन्मः 15 जून, 1940

सक्रिय वर्षः 1966-2005

जिलाः नेल्लोर, आंध्र प्रदेश

श्री बड्डेवोलु नारायण रेड्डी 10 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। उन्होंने नेल्लोर जिले में आयोजित संघ की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और समन्वय का कार्य किया। 26 साल की उम्र में वह भारतीय जनसंघ के गठन के तुरंत बाद उसमें शामिल हो गए और उसके सक्रिय सदस्य बन गए। पार्टी के प्रति समर्पण के कारण वे महत्वपूर्ण दायित्वों पर रहे। आपातकाल के दौरान नेल्लोर जिले के भारतीय जनसंघ अध्यक्ष के रूप में और पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद से उन्होंने भूमिगत रहते हुए लोगों को शिक्षित करने और पार्टी कार्यकर्ताओं की रक्षा का दायित्व निभाया। 1978 में उदयगिरि निर्वाचन क्षेत्र से विधायक उम्मीदवार श्री वेंकैया नायडू जी की जीत में उनका सक्रिय योगदान रहा। ■

सच्चे किसान विज्ञानी थे एमएस स्वामीनाथन, जुनून के साथ कृषि को मजबूत करने का निभाया संकल्प

नरेन्द्र मोदी

प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन अब हमारे बीच नहीं हैं। हमारे देश ने एक ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति को खोया है, जिन्होंने भारत के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। हमने एक ऐसे महान व्यक्ति को खोया है, जिनका भारत के लिए योगदान हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन भारत से प्रेम करते थे और चाहते थे कि हमारा देश और विशेषकर हमारे किसान समृद्धि के साथ जीवन-यापन करें। वे अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली थे और किसी भी करियर का विकल्प चुन सकते थे, लेकिन 1943 के बंगाल के अकाल से वे इतने द्रवित हुए कि उन्होंने तय कर लिया कि अगर कोई एक चीज, जिसे वे करना चाहेंगे, तो वो है 'कृषि क्षेत्र का कायाकल्प।'

बहुत छोटी उम्र में वे डॉ. नॉर्मन बोरलॉग के संपर्क में आए और उनके काम को गहराई से समझा। 1950 के दशक में अमेरिका ने उन्हें एक फैकल्टी के तौर पर जुड़ने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया, क्योंकि वे भारत में रहकर देश के लिए काम करना चाहते थे।

आज हम सभी को दशकों पहले की उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बारे में विचार करना चाहिए, जिनका प्रो. स्वामीनाथन ने डटकर सामना किया और हमारे देश को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के मार्ग पर आगे ले गए। आजादी के बाद पहले दो दशकों में हम कई चुनौतियों का सामना कर रहे थे और उनमें से एक थी— खाद्यान्न की कमी। 1960 के दशक की शुरुआत में भारत अकाल से जूझ रहा था। इसी दौरान, प्रोफेसर स्वामीनाथन की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने कृषि सेक्टर के एक नए युग की शुरुआत की।

कृषि और गेहूं प्रजनन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में उनके अग्रणी कार्यों से गेहूं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ऐसे प्रयासों का ही परिणाम था कि भारत खाद्यान्न की कमी वाले देश से खाद्यान्न में आत्मनिर्भर वाले राष्ट्र के रूप में परिवर्तित हो गया। इस शानदार उपलब्धि की वजह से से उन्हें 'भारतीय हरित क्रांति के जनक' की उपाधि मिली, जो बिल्कुल सही भी है।

प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन भारत से प्रेम करते थे और चाहते थे कि हमारा देश और विशेषकर हमारे किसान समृद्धि के साथ जीवन-यापन करें। वे अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली थे और किसी भी करियर का विकल्प चुन सकते थे, लेकिन 1943 के बंगाल के अकाल से वे इतने द्रवित हुए कि उन्होंने तय कर लिया कि अगर कोई एक चीज, जिसे वे करना चाहेंगे, तो वो है 'कृषि क्षेत्र का कायाकल्प'

हरित क्रांति में भारत की 'Can Do' की भावना झलकती है, यानी कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अगर हमारे सामने करोड़ों चुनौतियां हैं, तो उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए इनोवेशन की लौ जलाने वाले करोड़ों प्रतिभाशाली लोग भी हैं। हरित क्रांति शुरू होने के पांच दशक बाद भारतीय कृषि पहले से अधिक आधुनिक और प्रगतिशील हो गई है, लेकिन प्रोफेसर स्वामीनाथन द्वारा रखी गई नींव को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

प्रोफेसर स्वामीनाथन ने आलू की फसलों को प्रभावित करने वाले कीटों से निपटने की दिशा में भी प्रभावी अनुसंधान किया था। उनके शोध ने आलू की फसलों को ठंड के मौसम का सामना करने में भी सक्षम बनाया। आज, दुनिया सुपर फूड के रूप में मिलेट्स या श्रीअन्न के बारे में बात कर रही है, लेकिन प्रोफेसर स्वामीनाथन ने 1990 के दशक से ही मिलेट्स के बारे में चर्चा को प्रोत्साहित किया था।

प्रो. स्वामीनाथन के साथ मेरी व्यक्तिगत बातचीत का दायरा बहुत व्यापक था। इसकी शुरुआत 2001 में मेरे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद हुई। उन दिनों गुजरात आज की तरह अपने कृषि सामर्थ्य के लिए नहीं जाना जाता था। हर कुछ साल पर पड़ने वाले सूखे, तबाही लाने वाले चक्रवात और भूकंप ने राज्य की विकास यात्रा को बुरी तरह प्रभावित किया था।

उसी दौर में हमने सॉइल हेल्थ कार्ड की पहल की थी। हमारी कोशिश थी कि हमारे किसानों को मिट्टी को बेहतर ढंग से समझने और समस्या आने पर उसका समाधान करने में मदद मिले।

इसी योजना के सिलसिले में मेरी मुलाकात प्रोफेसर स्वामीनाथन से हुई। उन्होंने इस योजना की सराहना की और इसके लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी साझा किये। उनका समर्थन उन लोगों को समझाने के लिए पर्याप्त था, जो इस योजना को लेकर संशय में थे। आखिरकार इस योजना ने गुजरात में कृषि क्षेत्र की सफलता का सूत्रपात कर दिया।

मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान और उसके बाद जब मैंने प्रधानमंत्री का पद संभाला, तब भी हमारी बातचीत चलती रही। मैं उनसे

2016 में इंटरनेशनल एग्रो-बायोडाइवर्सिटी कांग्रेस में मिला और अगले वर्ष 2017 में मैंने उनके द्वारा लिखित दो-भाग वाली पुस्तक शृंखला लॉन्च की।

'कुरल' ग्रंथ के मुताबिक किसान वो धुरी हैं, जिसके चारों तरफ पूरी दुनिया घूमती है। ये किसान ही हैं, जो सब का भरण-पोषण करते हैं। प्रो. स्वामीनाथन इस सिद्धांत को अच्छी तरह समझते थे। बहुत से लोग उन्हें 'कृषि वैज्ञानिक' कहते हैं, यानी कृषि के एक वैज्ञानिक, लेकिन मेरा हमेशा से ये मानना रहा है कि उनके व्यक्तित्व का विस्तार इससे कहीं ज्यादा था। वे एक सच्चे 'किसान वैज्ञानिक' थे, यानी किसानों के वैज्ञानिक। उनके दिल में एक किसान बसता था। उनके कार्यों की सफलता उनकी अकादमिक उत्कृष्टता तक ही सीमित नहीं है; ये लैब के बाहर, खेतों और मैदानों में स्पष्ट रूप से दिखती है। उनके कार्य ने साइंटिफिक नॉलेज और उसके प्रैक्टिकल उपयोग के बीच के अंतर को कम कर दिया।

उन्होंने ह्यूमन एडवांसमेंट और इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी के बीच संतुलन पर जोर देते हुए हमेशा सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की वकालत की।

यहां मैं विशेष तौर पर ये भी कहूंगा कि प्रो. स्वामीनाथन ने छोटे किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उन तक इनोवेशन का लाभ पहुंचाने पर बहुत जोर दिया। वे विशेष रूप से महिला किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रति समर्पित थे।

प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन के व्यक्तित्व का एक और पहलू भी है, जो बेहद उल्लेखनीय है। वो इनोवेशन और मेंटोरशिप को बहुत बढ़ावा देते थे। जब उन्हें 1987 में पहला वर्ल्ड फूड प्राइज मिला, तो उन्होंने इसकी पुरस्कार राशि का उपयोग एक गैर-लाभकारी रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना में किया। आज भी, यह फाउंडेशन विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्य कर रहा है। उन्होंने अनगिनत प्रतिभाओं को निखारा है और उनमें सीखने और इनोवेशन के प्रति जुनून पैदा किया है। तेजी से बदलती दुनिया में उनका जीवन हमें ज्ञान, मार्गदर्शन और इनोवेशन की स्थायी शक्ति की याद दिलाता है।

प्रोफेसर एम.एस. स्वामीनाथन के व्यक्तित्व का एक और पहलू भी है, जो बेहद उल्लेखनीय है। वो इनोवेशन और मेंटोरशिप को बहुत बढ़ावा देते थे। जब उन्हें 1987 में पहला वर्ल्ड फूड प्राइज मिला, तो उन्होंने इसकी पुरस्कार राशि का उपयोग एक गैर-लाभकारी रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना में किया। आज भी, यह फाउंडेशन विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्य कर रहा है

प्रोफेसर स्वामीनाथन एक संस्थान निर्माता भी थे। उन्हें कई ऐसे केन्द्रों की स्थापना का श्रेय जाता है, जहां आज वाइब्रेंट रिसर्च हो रही है। उन्होंने कुछ समय तक मनीला स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट में भी अहम जिम्मेदारी निभाई थी। दक्षिण एशिया में इस संस्थान का रीजनल सेंटर 2018 में वाराणसी में खोला गया था।

मैं प्रो. स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि देने के लिए फिर से 'कुरल' ग्रंथ को उद्धृत करूंगा। उसमें लिखा है, "यदि योजना बनाने वालों में दृढ़ता हो, तो वे वही परिणाम हासिल करेंगे, जो वे चाहते हैं।" प्रो. स्वामीनाथन एक ऐसे दिग्गज व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने जीवन की शुरुआत में ही ये तय कर लिया था कि वो कृषि को मजबूत करेंगे और किसानों की सेवा करेंगे। उन्होंने इस संकल्प को बेहद ही रचनात्मक तरीके से और जुनून के साथ निभाया।

जैसे-जैसे हम एग्रीकल्चरल इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे, डॉ. स्वामीनाथन का योगदान हमें निरंतर प्रेरित व मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। हमें उन सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते रहना होगा, जो उन्हें बेहद प्रिय थे। इन सिद्धातों में किसानों के हितों की वकालत करना, साइंटिफिक इनोवेशन के लाभ को कृषि विस्तार की जड़ों तक पहुंचना और आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास, स्थिरता एवं समृद्धि को बढ़ावा देना शामिल है। मैं एक बार फिर प्रोफेसर स्वामीनाथन को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

महिला सशक्तीकरण को चरितार्थ करते मोदी, समावेशी शासन के एक नए युग की होगी शुरुआत

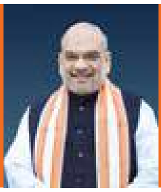

अमित शाह

मोदी सरकार ने नौ वर्षों में न सिर्फ महिला सशक्तीकरण के लिए काम किया, बल्कि हमारी पौराणिक संस्कृति के अनुसार महिलाओं को सम्मान भी दिया है। महिला सशक्तीकरण हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत रही है। वैदिक युग में ऋषि-मुनियों ने महिला सशक्तीकरण और ज्ञान के विकास में अहम योगदान दिया। गार्गी-याज्ञवल्क्य शास्त्रार्थ की आज तक मिसाल दी जाती है। उपनिषदों के बारे में विदुषी मैत्रेयी की समझ अभी भी विद्वानों का मार्गदर्शन करती है। यामी धर्म की अवधारणा की प्रारंभिक प्रस्तावक थीं। विज्ञान, अंतरिक्ष अन्वेषण और स्वास्थ्य सेवा में महिलाओं द्वारा की गई प्रगति ने वर्तमान युग में दुनिया को भारत की ओर प्रशंसा की दृष्टि से देखने पर मजबूर किया है। भारत में 80 प्रतिशत से अधिक नर्स और दाई महिलाएं हैं, जो कोविड महामारी में लोगों की सेवा के लिए खड़ी रहीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण पर जी-20 सम्मेलन में मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा निभाई गई परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि भारत में महिला सशक्तीकरण केवल एक विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वास्तव में वह हर क्षेत्र में महिला नेतृत्व की क्षमता को आगे ले जाना चाहते हैं। मोदी जी ने महिलाओं के सशक्तीकरण से लेकर उन्हें नेतृत्व देने की क्षमता के लिए जो काम करना शुरू किया, उस दिशा में अमृतकाल में महिलाओं को राजनीति में आरक्षण देना एक बड़ी उपलब्धि है।

हाल में संसद के विशेष सत्र में मोदी जी के मार्गदर्शन में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों के आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करने वाला विधेयक पारित हुआ। इस महिला आरक्षण के कारण भावी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बड़ी भूमिका नजर आ रही है। मुझे विश्वास है कि इस आरक्षण के लागू होने के बाद नारी शक्ति की भागीदारी के साथ समावेशी शासन के एक नए युग की शुरुआत होगी।

महिला आरक्षण विधेयक की ऐतिहासिकता के साथ-साथ उसके संदर्भ को भी समझना होगा। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के मुखर समर्थक और सक्रिय प्रस्तावक रहे हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल से लिंग अनुपात में सुधार हुआ और शैक्षणिक संस्थानों में लड़कियों का नामांकन बढ़ा।

लड़कियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में भी मोदी सरकार द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। 'प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि' और 'प्रधानमंत्री जन धन खाता' जैसी योजनाओं ने 30 करोड़ महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा एवं समावेशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुद्रा योजना के माध्यम से कोलैटरल-फ्री लोन ने 40 करोड़ महिलाओं को अपनी उद्यमशील क्षमता का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाया है। इस व्यवस्था ने न केवल महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक जरूरतों को पूरा किया, बल्कि उन्हें गरीबी से भी उबारा।

जब कोई परिवार भोजन, आवास, दवाइयों और पेयजल जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है, तो उस परिवार की महिला को सबसे अधिक पीड़ा होती है। मोदी सरकार ने तीन करोड़ गरीबों को घर दिए, जिनमें से 75 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए। 80 करोड़ गरीबों को मिलने वाले खाद्यान्न से भी सबसे बड़ी राहत महिलाओं को मिली।

मोदी सरकार द्वारा 11 करोड़ जल आपूर्ति कनेक्शन और 50 करोड़ लाभार्थियों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने से भी सबसे बड़ा लाभ महिलाओं को मिला। उज्ज्वला योजना के तहत जारी 9.6 करोड़ गैस कनेक्शन से गरीब महिलाओं को उस घरेलू प्रदूषण से छुटकारा मिला, जिसके कारण उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ता था। मोदी सरकार ने मातृत्व अवकाश की अधिकतम अवधि 26 सप्ताह तक बढ़ाकर कामकाजी महिलाओं को बड़ी राहत प्रदान की, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के समकक्ष है।

लैंगिक रूढ़िवादिता को खत्म करते हुए मोदी सरकार ने पहली बार भारतीय सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन के योग्य बनाया। प्रधानमंत्री द्वारा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों का ही फल है कि

आज भारत के पास सबसे अधिक महिला फाइटर जेट पायलट हैं। यह भी देश के इतिहास में पहली बार है कि व्यावसायिक पायलटों की 15 प्रतिशत सीटों पर अब महिलाओं का कब्जा है, जबकि वैश्विक औसत मात्र पांच प्रतिशत है।

देश की आधी आबादी के जीवन में व्यापक बदलाव लाने में पिछले नौ वर्षों में हासिल किए गए ये सभी मील के पत्थर 'जहां चाह, वहां राह' की इच्छाशक्ति का परिणाम हैं। महिलाओं के जीवन से जुड़े ज्वलंत विषय इसके पहले शायद ही कभी देश के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहे हों। इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ और तुष्टीकरण की राजनीति के चलते महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाने की जगह अक्सर बहानेबाजी की। जैसे— जब तीन तलाक संबंधी विधेयक के माध्यम से करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के भाग्य का फैसला किया जा रहा था, तब कांग्रेस ने विधेयक के समर्थन में आने की जगह तुष्टीकरण के चलते सदन से बाहर जाने का रास्ता चुना। राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मु जी की उम्मीदवारी का समर्थन न करने और विपक्षी उम्मीदवार के पक्ष में समर्थन देने का कांग्रेस का निर्णय भी सर्वविदित है।

महिला आरक्षण के लंबित विधेयक को कानून में बदलने की मोदी सरकार की पहल उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता का एक जीवंत उदाहरण है। विश्व स्तर पर सरकार में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने प्रजातांत्रिक संस्थाओं को मजबूती दी है, भ्रष्टाचार कम किया है और सरकारों को और अधिक संवेदनशील बनाया है।

देश को समान प्रतिनिधित्व के माध्यम से लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन को प्राथमिकता देनी चाहिए। दोनों सदनों से पारित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' के माध्यम से मोदी जी ने अमृतकाल में एक अधिक समावेशी संसदीय लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी है, जहां महिलाओं की बात अधिक सुनी जाएगी और उनके मुद्दों पर अधिक जोरदार ढंग से चर्चा की जाएगी। मुझे विश्वास है कि अमृतकाल के दौरान 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग में नारी शक्ति की एक विशेष भूमिका होगी। ■

(लेखक केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री हैं)

भारत और यूएई के बीच रुपे घरेलू कार्ड स्कीम समझौता

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने संयुक्त अरब अमीरात में घरेलू कार्ड स्कीम (डीसीएस) के कार्यान्वयन के लिए अल एतिहाद पेमेंट्स (एईपी) के साथ एक कार्यनीतिक साझेदारी समझौता किया। एईपी सेंट्रल बैंक ऑफ यूएई (सीबीयूएई) की एक अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी है।

समझौते के अनुसार एनआईपीएल और एईपी यूएई की राष्ट्रीय घरेलू कार्ड योजना के निर्माण, कार्यान्वयन और प्रचालन के लिए मिलकर काम करेंगे। डीसीएस का लक्ष्य यूएई में ई-कॉमर्स और डिजिटल लेनदेन के विकास को सुविधाजनक बनाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, यूएई के डिजिटलीकरण एजेंडा की सहायता करना, वैकल्पिक भुगतान विकल्पों को बढ़ाना, भुगतान की लागत को कम करना और वैश्विक स्तर पर यूएई की प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक पेमेंट लीडर के रूप में स्थिति को बढ़ाना है।

यह साझेदारी अन्य देशों को किफायती और सुरक्षित भुगतान प्रणाली स्थापित करने में सहायता करने के लिए अपने ज्ञान और विशेषज्ञता की पेशकश करने के एनआईपीएल के मिशन के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।

डीसीएस सॉल्यूशन संप्रभुता, बाजार की गति, नवोन्मेषण, डिजिटलीकरण और कार्यनीतिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित है। एनआईपीएल द्वारा प्रदान किए गए डीसीएस सॉल्यूशन में रुपे स्टैक और धोखाधड़ी निगरानी सेवाओं और विश्लेषण जैसी मूल्यवर्धित सेवाएं शामिल हैं। एनआईपीएल एईपी को उनकी घरेलू कार्ड योजना के लिए प्रचालन नियम तैयार करने में भी सहायता करेगा।

रुपे भारत में एक स्वदेशी, अत्यधिक सुरक्षित और व्यापक रूप से स्वीकृत कार्ड पेमेंट नेटवर्क है। रुपे कार्ड में डेबिट, क्रेडिट और प्रीपेड सुविधाएं हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा पांच अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्तमान में 750 मिलियन से अधिक रुपे कार्ड प्रचलन में हैं। भारत में जारी किए गए कुल कार्डों में से 60 प्रतिशत से अधिक रुपे कार्ड हैं, अब हर दूसरे भारतीय के पास रुपे कार्ड है। ये कार्ड सार्वजनिक क्षेत्र, निजी और छोटे बैंकों सहित संपूर्ण बैंकिंग क्षेत्र के माध्यम से जारी किए जाते हैं।

भारत का विश्व प्रसिद्ध डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) भुगतान क्षेत्र में व्यापक स्तर पर बदलाव ला रहा है। डीपीआई ढांचे में डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और डिजिटल डेटा विनिमय शामिल हैं; इन तीनों का संयोजन भारत में फिनटेक क्रांति के पीछे की शक्ति है। सरल शब्दों में भारत में लगभग हर वयस्क की बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच है, खुद को दूर से प्रमाणित करने का एक तरीका (आधार के माध्यम से) और कुशल तथा किफायती मोबाइल कनेक्टिविटी के माध्यम से इंटरनेट तक पहुंच है।

इन कारकों का संयोजन भारत को तेजी से सामने आने वाले यूनिकॉर्न के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक इकोसिस्टम बनाता है। भारत में पिछले पांच वर्षों में डिजिटल लेनदेन में भाग लेने वाले ग्राहकों में 367 प्रतिशत की अत्यधिक तेज वृद्धि देखी गई है, जिसका सक्रिय ग्राहक आधार 340 मिलियन से अधिक है। ■

नए भारत में नारी शक्ति

निर्मला सीतारमण

नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) महिलाओं का राजनीतिक सशक्तीकरण करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। जब भी महिला संबंधित मामलों की बात आती है तो हमारी सरकार राजनीति करने से बचती है। यह प्रधानमंत्री के लिए अटूट प्रतिबद्धता का विषय है और इसलिए हमने दृढ़ कार्रवाई की हैं, चाहे वह अनुच्छेद 370 हो, तीन तलाक हो, या अब महिला आरक्षण विधेयक हो। जब महिलाओं को समान अवसर दिए जाते हैं, तो वे राजनीतिक क्षेत्र में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हैं, जैसा हमारी महिला वैज्ञानिकों ने इसरो में किया है।

पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' की ओर अग्रसर हुआ है। इन पहलों के परिणाम भी स्पष्ट हैं, जो देश के सामाजिक ताने-बाने में परिवर्तनकारी बदलाव में दिखायी देते हैं।

उज्ज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मुद्रा योजना, मातृत्व अवकाश में वृद्धि और सशस्त्र बलों में महिलाओं को स्थायी कमीशन जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के मोदी सरकार के प्रयास सभी के सामने हैं। पीएम मुद्रा योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को स्वीकृत किए गए हैं। ये ऋण सूक्ष्म-स्तरीय इकाइयों और स्व-रोजगार वालों को दिये जाते हैं, जिसकी राशि 10 लाख रुपये तक होती हैं। इसी तरह, स्टैंड-अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं।

मोदी सरकार के लिए महिलाओं के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना एक अटूट प्रतिबद्धता है। उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को एलपीजी सिलेंडर दिये गये हैं, जिससे धुआं मुक्त रसोई को बढ़ावा देकर लाखों महिलाओं को श्वास संबंधी बीमारियों से बचाया जा रहा है।

इसके अलावा, स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के साथ अनगिनत महिलाओं के पास अब घरों में शौचालय की सुविधा है, जिससे उनकी सुरक्षा और उनकी गरिमा

2014 के बाद से तकनीकी शिक्षा, विशेषकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है। उल्लेखनीय रूप से भारत में लगभग 43 प्रतिशत एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं। भारत में लगभग एक चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं जिनका समर्पण और कड़ी मेहनत देश के प्रमुख अंतरिक्ष मिशनों में महत्वपूर्ण रहा है, जिनमें चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल शामिल हैं

की रक्षा को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। पीएम आवास योजना के तहत बने घरों का महिलाओं को संयुक्त स्वामित्व मिला है।

मोदी सरकार के तहत पिछले नौ वर्षों में महिलाएं उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ी हैं। यह प्रगति महिला पुलिस कर्मियों के बढ़ते प्रतिनिधित्व, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारी महिला खिलाड़ियों द्वारा हासिल की गई प्रशंसा और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (एसटीईएम) विषयों में महिलाओं के बढ़ते नामांकन से स्पष्ट है। 2014 के बाद से तकनीकी शिक्षा, विशेषकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है। उल्लेखनीय रूप से भारत में लगभग 43 प्रतिशत एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं। भारत में लगभग एक चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं जिनका समर्पण और कड़ी मेहनत देश के प्रमुख अंतरिक्ष मिशनों में महत्वपूर्ण रहा है, जिनमें चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल शामिल हैं।

आज भारत में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाएं उच्च शिक्षा में दाखिला ले रही हैं। हमारे पास नागरिक उड्डयन में सबसे अधिक संख्या में महिला पायलट भी हैं। वहीं भारतीय वायुसेना में महिला पायलट अब लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। मोदी सरकार ने सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) में महिलाओं के लिए पद आरक्षित किए हैं। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश को अनुमति दी गयी है। महिलाएं अब प्रधानमंत्री मोदी की कल्पना के अनुसार 'अमृत काल' में 'अमृत रक्षक' के रूप में सेवा करने के लिए तैयार हैं।

भारत में शुरू से ही महिलाओं को वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार दिया गया था। भारत में ग्रामीण स्थानीय निकायों में लगभग 14 लाख यानी 46 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएं हैं। भारतीय महिलाएं और उनका सशक्तीकरण देश के विकास को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हमारी सरकार ने हाल ही में नए संसद भवन— नए भारत का प्रतीक— का उद्घाटन करने के लिए एक विशेष सत्र बुलाया। और हमने कल्पना की कि यह

संसद अपने इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण विधेयकों में से एक को पारित करके अपनी यात्रा शुरू करे। यह शुभ शुरुआत आने वाली शताब्दी के लिए राष्ट्र की सेवा के लिए डिज़ाइन की गई इमारत के अनुरूप है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि अगर 50 प्रतिशत आबादी यानी महिलाएं अपने घरों तक ही सीमित रहेंगी तो सफलता हासिल नहीं की जा सकती। जैसे-जैसे भारत एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक ताकत बनने के लिए आगे बढ़ रहा है, देश के विकास में योगदान देने में महिलाओं की भूमिका दिन-ब-दिन के साथ महत्वपूर्ण होती जा रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ऐतिहासिक कानून है, जो महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देगा और हमारी राजनीतिक एवं शासन प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी को सुनिश्चित करेगा। कानून के अधिनियमन के साथ भारत खुद को अधिक उज्ज्वल और समावेशी समय की ओर ले गया है, इस परिवर्तन के केंद्र में हमारी नारी शक्ति है। यह परिवर्तनकारी यात्रा सामाजिक धारणाओं में एक आदर्श बदलाव का भी प्रतीक है— जहां महिलाएं अब केवल लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि सक्रिय योगदानकर्ता और देश की नियति को आकार देने वाली हैं।

एक पार्टी के रूप में, भाजपा ने लगातार महिला आरक्षण की वकालत की है। हम सशक्त महिलाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और हमारी पार्टी एवं प्रधानमंत्री ने हम सभी को सशक्त बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक सशक्त महिला का एक शानदार उदाहरण है और हमारी पार्टी की प्रत्येक महिला सांसद सशक्तीकरण का प्रतीक है

यह रास्ता चुनौतीपूर्ण रहा है, लड़ाई लंबी चली, लेकिन आखिरकार नारी शक्ति विजयी हुई है। सफलता के इस क्षण में पंचायती राज प्रणाली में 33 प्रतिशत आरक्षण शुरू करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार को याद करना महत्वपूर्ण है। इस पहल से महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है, कई राज्यों ने तो जमीनी स्तर पर आरक्षण को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर यह ध्यान केवल एक राजनीतिक रणनीति नहीं है बल्कि एक अंतर्निहित लोकाचार है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इस सिद्धांत को आत्मसात कर लिया है और स्वीकार किया है कि किसी राष्ट्र का विकास उसकी महिलाओं के विकास से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है। यह प्रतिबद्धता पिछले नौ वर्षों में शुरू की गई असंख्य नीतिगत पहलों में परिलक्षित होती है और परिणाम स्पष्ट हैं।

एक पार्टी के रूप में, भाजपा ने लगातार महिला आरक्षण की वकालत की है। हम सशक्त महिलाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और हमारी पार्टी एवं प्रधानमंत्री ने हम सभी को सशक्त बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक सशक्त महिला का एक शानदार उदाहरण है और हमारी पार्टी की प्रत्येक महिला सांसद सशक्तीकरण का प्रतीक है। हमारी चुनी हुई महिला प्रतिनिधि निस्संदेह संसदीय बहसों की गुणवत्ता बढ़ाएंगी, कानून और नीति निर्माण को प्रभावित करेंगी और सभी भारतीयों की बेहतरी के लिए शासन में सकारात्मक योगदान देंगी।

हमें याद रखना चाहिए कि महिलाओं को सशक्त बनाने का मतलब एक राष्ट्र को सशक्त बनाना है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज समृद्ध होता है। जैसाकि हम इस महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, यह केवल हासिल किए गए मील के पत्थर का जश्न मनाने के बारे में नहीं है, बल्कि आगे आने वाली असीमित संभावनाओं की प्रतीक्षा करने के बारे में भी है। भारत वैश्विक मंच पर एक उदाहरण स्थापित कर रहा है, यह प्रदर्शित करते हुए कि प्रतिबद्धता, दृष्टि और कार्रवाई के साथ, लैंगिक बाधाओं को दूर किया जा सकता है, जिससे अधिक समावेशी, समृद्ध और संतुलित भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सार और इसी तरह की पहल सभी के लिए आशा, प्रगति और उज्जवल भविष्य का वादा करती है। यह पूरे देश के लिए एक साथ एकजुट होने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान है कि परिवर्तन की बयार आने वाली पीढ़ियों तक चलती रहे। ■

(लेखक केंद्रीय वित मंत्री हैं)

मानसिकता बदलने वाली एक बड़ी पहल

अर्जुन राम मेघवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी उल्लेखनीय बदलाव के लिए सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय विशेष महत्व रखता है। यह समावेशी बदलाव लाने की सामूहिक भावना को दर्शाता है। आज जब भू-राजनीतिक परिदृश्य अनेक संदर्भों में भारी उथल-पुथल का सामना कर रहा है, तब अभी हाल में लोकतंत्र की गौरवमयी जननी भारत के मुकुट में एक और रत्न जुड़ गया है।

महिलाओं द्वारा राष्ट्र के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लंबे समय से की जा रही मांग को पूरा करने के लिए मोदी सरकार ने नारी शक्ति वंदन विधेयक को संसद में पारित कराया। केंद्र और राज्य स्तर पर प्रतिनिधि संस्थानों में महिलाओं की उचित भागीदारी निर्धारित करने वाले महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में लागू होते हुए देखने के लिए इस देश की महिलाओं ने 27 वर्षों तक लंबा इंतजार किया।

नारी शक्ति आधी आबादी का हिस्सा है। उसकी लोकतांत्रिक प्रतिनिधि संस्थानों में हिस्सेदारी न्यूनतम थी और यह स्थिति प्राकृतिक नियमों के विरुद्ध थी। बाध्यकारी सामाजिक मान्यताओं ने निर्णय की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को सीमित कर दिया था तथा समाज द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुपालन करने के लिए वह काफी हद तक बाध्य कर दी गई थी। इन चुनौतियों के बीच इस दृष्टिकोण के विरोध में अनेक अपवाद सामने आए। महिलाएं अपने पर थोपी गईं बाध्यकारी वर्जनाओं से बाहर निकलीं।

महिलाओं ने हर क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है। अब मोदी सरकार ने इस नैतिक कर्तव्य को सम्मानपूर्वक प्राथमिकता दी तथा शीर्ष निर्णयकर्ता के रूप में महिलाओं की भूमिका को मान्यता देकर एक ऐतिहासिक गलती को दुरुस्त करने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई। विधायी क्षेत्र में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' द्वारा प्रस्तावित लैंगिक न्याय महिलाओं के सम्मान को समग्र रूप में बल प्रदान करेगा तथा इससे संतुलित नीति निर्माण के लिए आदर्श परिस्थिति सृजित होगी।

यह एक विडंबना, परंतु सत्य है कि अमेरिका को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद महिलाओं को समान मतदान का अधिकार देने में 144 साल लग गए। ब्रिटेन में महिलाओं को मताधिकार उनके द्वारा दशकों तक लड़ाई लड़ने तथा पहले विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद उत्पन्न हुई परिस्थितियों में दिया गया। हमारे पूर्वज दूरदर्शी थे और उन्होंने आजादी के तुरंत बाद महिलाओं के लिए मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया।

अब देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूरे होने पर भारत ने महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व का अधिकार भी सुनिश्चित किया है। बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में 25 नवंबर, 1949 को दिए गए अपने भाषण में यह पूछा था कि आखिर कब तक हम विरोधाभासों का यह जीवन जीते रहेंगे। इस अवसर पर उन्होंने देश को सामाजिक तथा आर्थिक असमानताओं के प्रति आगाह किया था। पिछले नौ वर्षों के दौरान मोदी सरकार द्वारा देश के निर्धन वर्ग के लोगों तथा आम जनता के कल्याण को ध्यान में रखकर लागू की जा रही नीतियों से उन विरोधाभासों को समाप्त किया जा रहा है। यह उल्लेखनीय है कि इस दौरान देश के 13.5 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक व्यक्ति, एक वोट तथा एक मूल्य की भावना को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक और कदम है। महिलाओं में मौजूद दृढ़ता, रचनात्मकता, त्याग, ममता, करुणा, दया, समर्पण तथा विश्वास जैसे सहज गुण उन्हें नेतृत्व करने की विशिष्ट क्षमता प्रदान करते हैं। इसके लिए उन्हें शीर्ष प्रबंधन स्कूलों एवं विश्वविद्यालयों से नेतृत्व पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। बस आवश्यकता इस बात की होती है कि उन्हें उनका उचित स्थान दिया जाए। ऐसा करने मात्र से ही उनकी क्षमता निर्माण को व्यापक बल मिलेगा और वे दूसरों द्वारा अनुकरण के लिए एक आदर्श माडल भी बनेंगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम मोदी सरकार के लिए कोई राजनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह विश्वास का प्रतीक है। संसद का विशेष सत्र बुलाना तथा सर्वसम्मति-आधारित निर्णय के लिए सभी राजनीतिक दलों को राजी करना एक कठिन कार्य था। पहले इस नेक काम का विरोध करने वाले कुछ राजनीतिक दलों का इस विधेयक के लिए सहमत होना उनकी इच्छा से नहीं हुआ, बल्कि ऐसा करना उनकी राजनीतिक मजबूरी बन गई थी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने पर लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अनुपात वर्तमान के 15 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो जाएगा। इस प्रकार हमारे देश के लोकतांत्रिक संस्थानों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रतिशत वैश्विक औसत (26.7 प्रतिशत) को पार कर जाएगा तथा दुनिया के कई विकसित राष्ट्रों की तुलना में काफी अधिक होगा। ऐसे उपायों को लागू करने से 21वीं सदी में देश को महिलाओं के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के संदर्भ में राष्ट्र के दृष्टिकोण में एक नया बदलाव आएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रविधानों को लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत पूर्व अपेक्षित संवैधानिक बाध्यता यह है कि महिलाओं के नेतृत्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए पहले जनगणना तथा परिसीमन से संबंधित कार्य पूरे किए जाएं। मोदी सरकार संविधान की इस भावना के अनुरूप इस अधिनियम को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। तथापि बदलाव की आहट अभी से पूरे देश में महसूस की जाने लगी है। वर्तमान समाज की पुरुष प्रधान मानसिकता में तेजी से बदलाव आ रहा है। आइए! हम सब मिलकर विकसित भारत के निर्माण के लिए नारी शक्ति नेतृत्व के इस उज्ज्वल युग का स्वागत करें। ■

[लेखक केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं]

कैलाशपति मिश्रजी ने सदैव समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 अक्टूबर, 2023 को बापू सभागार, पटना में बिहार भाजपा के भीष्म पितामह श्रद्धेय कैलाशपति मिश्रजी की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जन्मशताब्दी समारोह को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सीख दी। उन्होंने श्रद्धेय कैलाशपति मिश्रजी की प्रतिमा का शिलान्यास भी किया। बापू सभागार कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री विजय सिन्हा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री रवि शंकर प्रसाद, सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सुशील मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी चौबे सहित कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि श्रद्धेय कैलाशपति मिश्रजी पार्टी की प्रथम पीढ़ी और प्रथम पंक्ति के नेता थे। उन्होंने अपना बाल्यकाल आजादी के लड़ाई में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आंदोलन में लगाया। 1945 में उन्होंने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रचारक के रूप में अपना जीवन संघ को समर्पित कर दिया। संघ एवं जनसंघ के विस्तार के लिए और बाद में भारतीय जनता पार्टी के लिए उन्होंने अपना सब कुछ अर्पित कर दिया। श्रद्धेय कैलाशपति मिश्रजी जब राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहे थे, तब उस समय खोने के लिए सब कुछ था लेकिन पाने के लिए कुछ नहीं था। उस दौर में कैलाशपति मिश्रजी ने अपना सर्वस्व जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दिया। बिहार के संदर्भ में कहे, तो वे बिहार में भारतीय जनता पार्टी के लिए भीष्म पितामह थे। जब राज्य सभा के लिए उनका नाम चयनित किया गया, तब उन्होंने सहज भाव से कहा कि मुझे संगठन में ही रहने दीजिए। दलितों में काम को आगे बढ़ाना है तो रामेश्वर पासवान को राज्यसभा भेजिए। ऐसी बात सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही हो सकती है, किसी और पार्टी में नहीं। इसलिए श्रद्धेय कैलाशपति मिश्र से हमलोगों को प्रेरणा लेकर पार्टी के कामों को मजबूती से आगे बढ़ाना है।

बिहार में मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के मंत्रिमंडल में वे वित्त मंत्री थे, तब उन्होंने ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान किया था। कैलाशपति मिश्रजी दलितों एवं सामाजिक न्याय के लिए निरंतर लड़ते रहे

उन्होंने कहा कि मुझे याद आता है कि जब मेरी उम्र 11-12 साल की थी, तो 1971 का लोकसभा चुनाव हो रहा था। तब कैलाशपति मिश्रजी पटना लोकसभा सीट से चुनाव लड़े थे। वे अक्सर हमारे घर आते थे। दीये की निशान वाली जनसंघ की टोपी पहनकर आते थे, वे हमेशा कहते थे कि हम चुनाव जीतेंगे। जब ये चर्चा होती थी कि हमारी स्थिति अच्छी होगी, किंतु हम जीत नहीं पाएंगे तो वे कहते थे कि हम विचारधारा के लिए लड़ते हैं और समर्पित रहते हैं। यह कोई पूर्ण विराम नहीं है, हम और आगे बढ़ेंगे। विधानसभा चुनाव के वक्त मैंने उनसे एक सवाल पूछा था कि क्या सभी सीटों पर लड़ेंगे? तब उन्होंने जवाब दिया था कि हमलोग सिर्फ जीतने के लिए चुनाव नहीं लड़ते हैं, बल्कि दीया का निशान घर-घर पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ते हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि विचारधारा की बात करें तो कैलाशपति मिश्रजी अपने आप में एक संस्थान थे। आज यहां उपस्थित हम सब उनके हाथों के बनाए कार्यकर्ता हैं। कैलाशपति मिश्रजी दलितों के उत्थान के लिए निरंतर काम करते रहे। आज जातीयता और जाति जनगणना की बात होती है, लेकिन कैलाशपति मिश्रजी ने सदैव समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया। मुझे याद है कि बिहार में मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के मंत्रिमंडल में वे वित्त मंत्री थे, तब उन्होंने ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान किया था। कैलाशपति मिश्रजी दलितों एवं सामाजिक न्याय के लिए निरंतर लड़ते रहे। कैलाशपतिजी ने जिस बात के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, वही बात भारतीय जनता पार्टी की सोच, विचारधारा, कार्य करने का तरीका है।

श्री नड्डा ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत में सबसे बड़ी जाति गरीबी की है। गरीबों की सच्ची सेवा करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। पिछले पांच साल में 12 करोड़ से अधिक गरीबों को गरीबी रेखा से निकाल करके मध्यम आय वर्ग में पहुंचाया गया है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में लगभग 12 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं। देश में अति गरीबी एक प्रतिशत से भी निचले स्तर पर है। गरीबों का सही मायने में सशक्तीकरण हुआ तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में हुआ है। जिन लक्ष्यों के लिए श्रद्धेय कैलाशपति मिश्र ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया, उसे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने साकार किया है। हमारी ओर से उन्हें अपनी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि बिहार में 2024 में कमल खिलाएं। ■

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा विश्व व्यापार का आधार बनेगा: नरेन्द्र मोदी

इतिहास इस बात को हमेशा याद रखेगा कि इस आर्थिक गलियारे का सूत्रपात भारत की धरती पर हुआ था

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अफ्रीकी संघ को जी20 में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किए जाने और 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा' का उल्लेख करते हुए 24 सितंबर को कहा कि इन फैसलों ने विश्व के शक्तिशालों देशों के इस समूह में भारत के नेतृत्व का लोहा मनवाया है।

प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 105वीं कड़ी में देशवासियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए इस प्रस्तावित आर्थिक गलियारे के बारे में कहा कि ये गलियारा आने वाले सैकड़ों वर्षों तक विश्व व्यापार का आधार बनने जा रहा है और इतिहास इस बात को हमेशा याद रखेगा कि इस गलियारे का सूत्रपात भारत की धरती पर हुआ था।

श्री मोदी ने 'मन की बात' में जहां चंद्रयान-3 और जी-20 की सफलता के साथ ही रोजगार सृजन में पर्यटन की भूमिका, भारत में विश्व विरासत स्थलों की बढ़ती संख्या और भारतीय संगीत के प्रति दुनिया भर में लोगों के बढ़ते आकर्षण का उल्लेख किया, वहीं त्योहारों के दौरान स्थानीय उत्पादों की खरीद का मंत्र भी याद दिलाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा पर उतरने वाला था, तब करोड़ों लोग अलग-अलग माध्यमों से इस घटना के पल-पल के साक्षी बनें। इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के यू-ट्यूब चैनल पर 80 लाख से ज्यादा लोगों ने इस घटना को देखा। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इससे पता चलता है कि चंद्रयान-3 से करोड़ों भारतीयों का कितना गहरा लगाव है।

चंद्रयान-3 की सफलता तथा जी20 का सफल आयोजन

प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद जी-20 के सफल आयोजन ने हर भारतीय की खुशी को दोगुना कर दिया और आयोजन स्थल 'भारत मंडपम' तो अपने आप में एक 'सेलिब्रिटी' की तरह हो गया है जहां लोग जा रहे हैं, 'सेल्फी' ले रहे हैं और गर्व से उसे सोशल मीडिया मंचों पर साझा कर रहे हैं।

जी-20 के आयोजन में भारत की युवा शक्ति के योगदान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दौरान साल भर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कई कार्यक्रम हुए तथा इसी श्रृंखला में दिल्ली में एक और एक शानदार कार्यक्रम होने वाला है।

उन्होंने बताया कि 'जी-20-यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम' के माध्यम से देश भर के लाखों छात्र एक दूसरे से जुड़ेंगे और इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भाग लेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में और विशेष रूप से जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की तरफ दुनिया का आकर्षण बहुत बढ़ा है। उन्होंने जी20 सम्मेलन में शिरकत करने आए विदेशी प्रतिनिधियों का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान उन्हें भारत की विविधता, विभिन्न परम्पराओं, खानपान और विरासत को देखने को अवसर मिला और उन्होंने इस दौरान जो अनुभव हुआ, उससे पर्यटन और बढ़ेगा।

27 सितम्बर को मनाए जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन पर्यटन का बहुत बड़ा पहलू है और यह क्षेत्र कम से कम निवेश के साथ अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

भारत में इस समय 42 विश्व विरासत स्थल

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में विश्व विरासत स्थलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने हाल में शांति निकेतन और कर्नाटक के होयसल मंदिर समूह को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि इससे भारतीय परम्परा को भी सम्मान मिला है।

उन्होंने कहा कि भारत में विश्व विरासत स्थलों की संख्या अब 42 हो गई है और भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया जाए।

श्री मोदी ने लोगों से आग्रह किया कि जब भी वे किसी नयी जगह जाएं, तो भारत की विविधता को अवश्य देखें, विभिन्न राज्यों की संस्कृति को समझें और विरासत स्थलों को देखें। ■

मोदी स्टोरी

दायरे को तोड़ना

— आनंदीबेन पटेल

श्री नरेन्द्र मोदी हमेशा 'सबका प्रयास' के मंत्र में विश्वास करते आये हैं। जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो उनकी प्राथमिक चिंताओं में से एक यह था कि उस दौरान सभी अधिकारी अलग-अलग दायरे में काम करते थे।

उन्होंने अपने एक भाषण में नौकरशाहों को संबोधित करते हुए कहा था, "मैं आपसे संकुचित दायरे में काम करने की उम्मीद नहीं करता हूं।'' श्री मोदी ने तब समझाया कि आप अभी यहां एक विभाग में हैं, लेकिन कल आप दूसरे विभाग में हो सकते हैं और हो सकता है आज आपका कोई संभावित सहकर्मी आपके बगल में ही बैठा हो। इसलिए, यदि आप साथी सहकर्मी के साथ बातचीत करते हैं और उसकी चुनौतियों को समझते हैं, तो कल जब आप उस विभाग में होंगे तो उन्हीं चुनौतियों का सामना करने से बच सकते हैं। उदाहरण देते हुए श्री मोदी ने कहा, "मैं दायरे में काम नहीं करता और मैं अधिकारियों से भी यही उम्मीद करता हूं।"

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल गुजरात में मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल को याद कर कहती हैं कि "मुझे भरूच में हमारा पहला तीन दिवसीय चिंतन शिविर याद है। हमें काम करना था और आने वाले एक साल का खाका तैयार करना था। उस शिविर में सभी मंत्री और सचिव मौजूद थे। पहले हम चिंतन शिविर खत्म होने के बाद चले जाते थे, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री कार्यालय से सभी मंत्रियों को सूचित किया गया कि उन्हें अगली सुबह 8 बजे गांधीनगर सर्किट हाउस में एकत्र होना है। हम सभी को अपना सामान ले जाना था और हमें अपनी निजी कारों से नहीं, बल्कि एक लक्जरी बस में एक साथ यात्रा करनी थी। मंत्रियों और सचिवों को एक साथ यात्रा करनी थी।

सभी मंत्रियों और सचिवों ने एक साथ यात्रा की और इसमें उन्हें लगभग 3-4 घंटे लगे। आश्चर्य की बात यह है कि उन सभी को वास्तव में अच्छा महसूस हुआ। आमतौर पर मंत्रियों और सचिवों को एक-दूसरे से बातचीत करने का इतना समय और अवसर कभी नहीं मिलता, लेकिन इस दौरान उन्होंने न केवल बातचीत की, बल्कि एक-दूसरे के बारे में बहुत कुछ जानने का मौका भी मिला

सभी मंत्रियों और सचिवों ने एक साथ यात्रा की और इसमें उन्हें लगभग 3-4 घंटे लगे। आश्चर्य की बात यह है कि उन सभी को वास्तव में अच्छा महसूस हुआ। आमतौर पर मंत्रियों और सचिवों को एक-दूसरे से बातचीत करने का इतना समय और अवसर कभी नहीं मिलता, लेकिन इस दौरान उन्होंने न केवल बातचीत की, बल्कि एक-दूसरे के बारे में बहुत कुछ जानने का मौका भी मिला।

श्रीमती पटेल कहती हैं कि इसलिए यह रिश्ता जो हमने विकसित किया वह महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि हमें उन लोगों की पसंद और नापसंद के बारे में पता चला, जिनके साथ हम यात्रा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री मोदी के विचार के कारण हमें प्रोटोकॉल से मुक्त होने का मौका मिला क्योंकि हमें बसों में जहां भी सीट मिलती थी, वहां बैठना पड़ता था।" ■

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 में भारत का 40वां स्थान

वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में भारत 2015 में 81वें स्थान (पिछले कई वर्षों से) पर था, जो 2023 में काफी बेहतर होकर 40वें स्थान पर पहुंच गया

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 रैंकिंग में 132 अर्थव्यवस्थाओं में से भारत का 40वां स्थान है। नीति आयोग द्वारा 28 सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में भारत 2015 में 81वें स्थान (पिछले कई वर्षों से) पर था जो 2023 में काफी बेहतर होकर 40वें स्थान पर पहुंच गया। गौरतलब है कि महामारी से उत्पन्न अभूतपूर्व संकट के खिलाफ हमारी लड़ाई में नवाचार सबसे आगे रहा तथा देश को महामारी से उबरने में निर्णायक साबित हुआ।

जीआईआई रैंकिंग में लगातार सुधार अपार ज्ञान पूंजी, जीवंत स्टार्ट-अप

इकोसिस्टम और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों के कारण है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसे वैज्ञानिक विभाग सहित सरकार के सभी विभागों जैसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग; अंतरिक्ष विभाग; परमाणु ऊर्जा विभाग; इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय; दूरसंचार विभाग; कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने राष्ट्रीय नवाचार इकोसिस्टम को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अटल इनोवेशन मिशन ने इनोवेशन इकोसिस्टम के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभाई है।

उल्लेखनीय है कि जीआईआई दुनिया भर के देशों में नवाचार के नेतृत्व वाले सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए दुनिया भर की सरकारों के लिए एक विश्वसनीय उपकरण है। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में जीआईआई ने खुद को विभिन्न सरकारों के लिए एक नीति उपकरण के रूप में स्थापित किया है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................ (2)..............................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :................................ दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

जोधपुर (राजस्थान) में 05 अक्टूबर, 2023 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मध्य प्रदेश में 02 अक्टूबर, 2023 को ग्वालियर और सुमावली के बीच चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाते और विभिन्न परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

महबूबनगर (तेलंगाना) में 01 अक्टूबर, 2023 को विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 01 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृति में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 02 अक्टूबर, 2023 को गांधी जयंती पर राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 02 अक्टूबर, 2023 को विजय घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 14 अक्टूबर, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह